● वर्ष : 17 ● अंक : 135 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का सम्मान

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दिल्ली से प्रकाशित

बुधवार 04 मार्च 2026

प्रधानमंत्री ने ओमान, कुवैत और कतर के नेताओं से की बातचीत, हमलों की निंदा की

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को ओमान, कुवैत और कतर के शीर्ष नेतृत्व से टेलीफोन पर बातचीत कर क्षेत्रीय हालात पर चर्चा की और संबंधित देशों की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन की कड़ी निंदा की। प्रधानमंत्री मोदी ने ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक से बातचीत के बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि उन्होंने पश्चिम एशिया के हालिया घटनाक्रम पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने ओमान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन की निंदा करते हुए कहा कि क्षेत्र में शीघ्र शांति और स्थिरता बहाल करने के लिए सतत कूटनीतिक प्रयास आवश्यक हैं। प्रधानमंत्री ने ओमान में रह रहे भारतीय समुदाय को निरंतर समर्थन देने के लिए सुल्तान का आभार भी व्यक्त किया। इसी क्रम में प्रधानमंत्री ने कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबा अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह से भी फोन पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि भारत कुवैत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन की निंदा करता है और इस कठिन समय में कुवैत की जनता के साथ एकजुटता से खड़ा है। दोनों नेताओं ने संवाद और कूटनीति के माध्यम से क्षेत्रीय शांति और स्थिरता बहाल करने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने कुवैत में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए वहां के नेतृत्व के प्रयासों की सराहना की। मोदी ने

कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से भी बातचीत की। उन्होंने कतर की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के किसी भी उल्लंघन की कड़ी निंदा करते हुए कतर के साथ एकजुटता व्यक्त की। दोनों नेताओं ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए संवाद और कूटनीति को जरूरी बताया। प्रधानमंत्री ने कतर में भारतीय समुदाय की देखभाल और समर्थन के लिए आभार भी जताया। उल्लेखनीय है कि पिछले 48 घंटों में प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया के कई नेताओं से बातचीत की है। इनमें संयुक्त अरब अमीरात, इजराइल, सऊदी अरब, जॉर्डन, बहरीन, ओमान, कुवैत और कतर के नेता शामिल हैं। बातचीत के दौरान क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति और वहां रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा एवं कल्याण प्रमुख विषय रहे।

भारत ने पश्चिम एशिया में संघर्ष तेज होने पर गहरी चिंता जताई, एक बार फिर की शांति की अपील

नई दिल्ली। भारत ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के तेज होने पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए संवाद और कूटनीति के अपने आह्वान को एक बार फिर मजबूती से दोहराया है। भारत ने कहा है कि हम संघर्ष के शीघ्र अंत के पक्ष में स्पष्ट रूप से अपनी आवाज उठाते हैं। दुर्भाग्यवश, पहले ही कई जानें जा चुकी हैं और हम इस संबंध में अपना गहरा दुख व्यक्त करते हैं। विदेश मंत्रालय के अधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक प्रश्न पर कहा कि सरकार मौजूदा स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए है और राष्ट्रीय हित में सभी उचित निर्णय लेगी। साथ ही सरकार इस क्षेत्र की सरकारों के साथ-साथ अन्य प्रमुख साझेदारों के संपर्क में हैं। प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने अपने समकक्षों के साथ चर्चा की है। भारत ने इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त की है कि संघर्ष से व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला के प्रभावित होने की संभावना है। इसके भारतीय अर्थव्यवस्था पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं। वैश्विक कार्यबल में भारतीय प्रमुख भूमिका निभाते हैं। ऐसे में भारत व्यापारिक जहाजों पर हमलों का कड़ा विरोध करता है। पिछले कुछ दिनों में ऐसे हमलों के परिणामस्वरूप कुछ भारतीय नागरिकों ने अपनी जान गंवाई है या लापता हैं।प्रवक्ता ने कहा कि प्रभावित देशों में भारतीय दूतावास और वाणिज्य दूतावास भारतीय नागरिकों और सामुदायिक संगठनों के साथ लगातार संपर्क में हैं और आवश्यकतानुसार नियमित रूप से सलाह जारी कर रहे हैं। उन्होंने संघर्ष में फंसे लोगों को हर संभव सहायता भी प्रदान की है। दूतावास और वाणिज्य दूतावास इस संघर्ष के विभिन्न कांसुलर पहलुओं को सुलझाने में सक्रिय भूमिका निभाते रहेंगे।वक्तव्य में कहा कि 28 फरवरी को ईरान और खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष शुरू होने पर ही भारत ने सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव न बढ़ाने और नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया था। दुर्भाग्य से, रमज़ान के पवित्र महीने में इस क्षेत्र की स्थिति लगातार और गंभीर होती जा रही है। वक्तव्य में कहा, "हाल के दिनों में हमने न केवल संघर्ष की तीव्रता में वृद्धि देखी है, बल्कि इसका अन्य देशों में भी प्रसार हुआ है।

ज्वलंत मुद्दा **संपादकीय**

अमेरिका और इजराइल पर भारी पड़ा ईरान?

ईरान पर इजराइल और अमेरिका द्वारा किए गए संयुक्त हमले के तीसरे दिन स्थिति बड़ी विकराल हो गई है। ईरान के सुप्रीमो लीडर खामेनेई की हत्या के बाद ईरान ने जिस तरह का पलटवार किया है, उससे दुनियां हैरान है। एक ही झटके में 13 देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानो पर ईरान ने हमला कर दिया। अमेरिका के सैन्य ठिकाने धू-धू करके जलने लगे। इन हमलों से मध्य पूर्व के इस्लामी देशों में बढ़ता तनाव एक बार फिर वैश्विक राजनीति के केंद्र में आ गया है। ईरान ने अमेरिका और इजराइल के हमले का जवाब जिस तरह से दिया है, उसे देखते हुए अमेरिका और इजराइल भी हतप्रभ होकर रह गए हैं। पहली बार अमेरिका को पश्चिम एशिया के देशों में तनाव बढ़ने से अपने वर्चस्व को बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। ईरान की ओर से दावा किया गया है, उसने जवाबी कार्रवाई में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया। बहरीन स्थित जुफैर बेस और क़तर के अल उदैद एयरबेस जैसे ठिकानों पर किए गए हमले के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए जिनमें भारी नुकसान की तस्वीरें सामने आई हैं। इसके बाद सारी दुनिया में एक नई हलचल देखने को मिली। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने संकेत दिया है। क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकाने उसकी मिसाइलों के निशाने पर हैं। दूसरी ओर, क़तर ने दावा किया, पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम ने संभावित हमलों को विफल कर बड़े नुकसान को रोका है। ऐसे परस्पर विरोधी दावों के बीच वास्तविक स्थिति का सही अंदाजा लगा पाना कठिन है। यह भी चर्चा है कि खाड़ी क्षेत्र के लगभग 13 देशों में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी है। तनाव बढ़ने पर वह भी अप्रत्यक्ष रूप से इस संघर्ष की चपेट में आ सकते हैं। ईरान ने जो फोटो और वीडियो जारी किए हैं उसके अनुसार 13 देशों के ठिकाने धू-धू करके जल रहे हैं। अभी तक स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा ईरान के दावों को सत्यापित नहीं किया गया है। युद्धकालीन माहौल में सूचनाओं का प्रवाह तेज होता है, परंतु सत्यापन की जानकारी जुटाना बहुत मुश्किल होता है। रणनीतिक दृष्टि से देखें, तो ईरान का मुकाबला दो परमाणु-सक्षम अमेरिका और इजराइल से है। इसके बावजूद तेहरान की त्वरित जवाबी क्षमता ने यह साबित कर दिया है। युद्ध के मैदान में सैन्य संतुलन एकतरफा नहीं है। चार दिन में ईरान इस युद्ध में अमेरिका और इजराइल को बराबरी से जवाब देने में सक्षम है।

सवाल यह है, क्या यह टकराव सीमित रहेगा या व्यापक वैश्विक युद्ध के रूप में परिवर्तित हो जाएगा? इस युद्ध की शुरुआत से ही कच्चे तेल की आपूर्ति, समुद्री मार्गों को ईरान द्वारा बाधित किए जाने से वैश्विक बाजारों पर इसका प्रभाव पहले ही चार दिनों में बड़े पैमाने पर दिखने लगा है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

सामाजिक समरसता के लिए सम्मानित हुए महताब ख़ान चांद

नजीबाबाद। भारत नामधेय चक्रवर्ती सम्राट भरत की जन्म भूमि महर्षि कण्व की तपस्थली पर इंटरनेशनल ब्रांड एंबेसडर और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने पर महताब ख़ान चांद को अंग वस्त्र प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। डू समथिंग सोसाइटी के द्वारा होली के पावन अवसर पर सामाजिक समरसता का भाव लिए होलीकोत्सव एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। एकेवीएन स्कूल कणवनगरी कोटद्वार परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उत्तराखंड राज्य के पच्चीस वर्ष पूरे होने पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पच्चीस मनीषियों को अंग वस्त्र प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया साथ ही सुप्रसिद्ध लोक गायक सौरभ मैठानी के द्वारा सांस्कृतिक

रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए कार्यक्रम में उत्तराखंड गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष पंडित राजेंद्र अणथवाल पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी प्रथम महापौर हेमलता नेगी संस्था के अध्यक्ष मयंक प्रकाश कोठारी संरक्षक प्रकाश चंद्र कोठारी श्रीमती सोनम कोठारी विपिन जदली रेखा नेगी एमपी थपलियाल सिन्धु कोठारी कविता रावत नीलम डंगवाल सहित राजनैतिक दलों सामाजिक संस्था से जुड़े प्रबुद्ध जनों ने हिस्सा लिया। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों चर्चा में रही कणवनगरी कोटद्वार में होलीकोत्सव मैं रमज़ान के पवित्र महीने में महताब ख़ान चांद को सामाजिक समरसता के लिए सम्मानित किया जाना एक अनुठी पहल है।

दुबई से एयर इंडिया की पहली फ्लाइट पहुंची दिल्ली, 149 फंसे हुए यात्री घर लौटे

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में फंसे भारतीयों की मदद के लिए अपनी उड़ानें आंशिक रूप से शुरू कीं है। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया से मंगलवार को स्पेशल ऑपरेशन के तहत दुबई में फंसे 149 यात्रियों को वापस लाया गया है। एयर इंडिया की फ्लाइट (एआई 916डी) आज सुबह 10:58 बजे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आईजीआईए) पर पहुंची। पश्चिम एशिया में मौजूदा संकट के दौरान पैसेंजर को वापस लाने के लिए किसी इंडियन एयरलाइन की यह पहली फ्लाइट है, जिसमें 149 यात्री और 8 ऑपरेटिंग क्रू मेंबर सवार हैं। एयरलाइन के मुताबिक वीटी-ईडीसी रजिस्ट्रेशन वाले यह यात्री इलाके के मौजूदा हालात की वजह से दुबई में फंसे हुए थे। दिल्ली एयरपोर्ट पर आई एयर इंडिया की इस उड़ान में सवार एक यात्री ने बताया कि वहां हालात काफी सामान्य हैं, बहुत अधिक तनाव की स्थिति नहीं है, लेकिन फ्लाइट रद्द होने और बाकी सब चीजों की वजह से लोगों पर आर्थिक असर पड़ रहा है।

ईरान के विरुद्ध अमेरिका-इजराइल के हमलों को मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने बताया 'खुली आक्रामकता'

संयुक्त राष्ट्र को तत्काल युद्धविराम के लिए हस्तक्षेप करना चाहिएः बोर्ड

एजेंसी। नई दिल्ली

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने अमेरिका और इजराइल के ईरान के खिलाफ हमलों को 'खुली आक्रामकता' बताते हुए कड़ी और स्पष्ट रूप से निंदा की है। बोर्ड ने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से युद्धविराम के लिए तुरंत प्रभावी और व्यावहारिक कदम उठाने और क्षेत्र को विनाशकारी युद्ध से बचाने का आह्वान किया है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता डॉ. सैयद कासिम रसूल इलियास ने कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। इस वार्ता में मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाले ओमान के विदेश मंत्री बद्र अलबुसैदी के अनुसार ईरान अमेरिका की लगभग सभी शर्तें मानने को तैयार था। फिर भी अमेरिका ने वार्ता समाप्त करने की अचानक घोषणा करके इजराइल के साथ मिलकर ईरान कर दिया, जो यह दर्शाता है कि वार्ता महज एक रणनीति थी, कोई गंभीर कूटनीतिक प्रक्रिया नहीं थी। डॉ. इलियास ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह खामेनेई की शहादत पर गहरा दुख व्यक्त किया और इसे इस्लामी राष्ट्र के लिए एक बड़ी त्रासदी बताया। उन्होंने कहा कि युद्ध के दौरान एक संप्रभु देश के केंद्रीय नेतृत्व को निशाना बनाना और खुले तौर पर नेतृत्व परिवर्तन की बात करना अंतरराष्ट्रीय कानूनों और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का स्पष्ट उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि इस युद्ध ने पूरे मध्य पूर्व को अस्थिरता की आग में झोंक दिया है। एक तरफ जहां कई यूरोपीय देश अमेरिका के समर्थन में खड़े हैं तो दूसरी तरफ रूस और चीन ईरान का समर्थन कर रहें हैं। यदि तत्काल एवं प्रभावी कूटनीतिक हस्तक्षेप नहीं किया गया, तो यह संघर्ष पूर्ण पैमाने पर विश्व युद्ध में बदल सकता है, जिसका खामियाजा विकासशील और कमजोर देशों को भुगतना पड़ेगा। डॉ. इलियास ने अफसोस जताते हुए कहा कि ऐसे नाजुक और निर्णायक दौर में हमारा देश संतुलित और गरिमामय मध्यस्थता की भूमिका निभा सकता था, लेकिन मौजूदा व्यवहार से देश की विदेश नीति की साख पर असर पड़ा है। उन्होंने इस बात पर भी चिंता व्यक्त की कि अयातुल्लाह खामेनेई की शहादत पर आधिकारिक स्तर पर शोक व्यक्त नहीं करना हमारी नैतिक और कूटनीतिक परंपरा के खिलाफ है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने दुनिया के सभी देशों के राष्ट्राध्यक्षों, संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि तत्काल, गंभीर और व्यावहारिक उपायों के जरिए इस युद्ध को रोका जाए। अन्यथा यह आग किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगी और संपूर्ण विश्व इसके प्रभाव से सुरक्षित नहीं रहेगा।

चंद्र ग्रहण दोपहर को 3 बजकर 20 मिनट पर शुरू हुआ और शाम को 6 बजकर 46 मिनट पर समाप्त हुआ

एजेंसी। नई दिल्ली

आज साल का पहला चंद्र ग्रहण लगा है। यह एक खंडग्रास चंद्र ग्रहण हुआ,जो सिंह राशि और पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में रहा।यह चंद्र ग्रहण कटिहार में भी दिखाई दिया। इस चंद्र ग्रहण का सूतक काल भी भारत में मान्य रहा। चंद्र ग्रहण दोपहर को 3 बजकर 20 मिनट पर शुरू हुआ और शाम को 6 बजकर 46 मिनट पर समाप्त हुआ। इसका सूतक काल सुबह 6 बजकर 20 मिनट पर शुरू रहा। पंडित सुरेन्द्र ठाकुर के अनुसार, चंद्र ग्रहण में मंगल, राहु और केतु का संबंध बन रहा है। अग्नि का यह योग युद्ध और नुकसान के संकेत दे रहा है। देश-दुनिया में युद्ध जैसी स्थिति बनती दिख रही है।दुनियाभर में सत्ता परिवर्तन संभव है। बेवजह विवाद बढ़ता दिखाई देगा।पंडित सुरेन्द्र ठाकुर ने बताया कि यह चंद्र ग्रहण फाल्गुन पूर्णिमा पर लग रहा है। शास्त्रों के अनुसार, इसी दिन होलिका दहन भी किया जाता है।यदि आप 3 मार्च को होलिका दहन करना चाहते हैं,तो ग्रहण समाप्त होने के बाद कर सकते हैं.।आज शाम 6 बजकर 46 मिनट पर ग्रहण समाप्त हो गया।तब न तो ग्रहण का प्रभाव रहेगा और न ही भद्रा का साया। इसके बाद 4 मार्च को आप निसंकोच रंग वाली होली खेल सकते हैं।चंद्र ग्रहण का सूतक सुबह 6 बजकर 20 मिनट से 6 बजकर 46 मिनट (सुबह) के बीच शुरू हो चुका है। यह सूतक काल ग्रहण की समाप्ति (शाम 6:46 - 6:48) तक मान्य रहा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार चंद्र ग्रहण का सूतक ग्रहण शुरू होने से 9 घंटे पहले ही लग जाता है। सूतक के दौरान सूतक के दौरान गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

मैनाठेर पुलिस का सनसनीखेज खुलासा, बहनोई समेत तीन आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक अभिरक्षा में भेजे गए

मैनाठेर/मुरादाबाद । क्षेत्र के ग्राम बघी गोवर्धनपुर के जंगल में स्थित खेत की 15 फीट गहरी बोरिंग कुइया से बरामद युवती के शव के मामले में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। जांच में सामने आया कि युवती की हत्या उसके ही बहनोई ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर की थी। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे खेत की ओर गए बच्चों ने कुइया के अंदर शव पड़ा देखा। बच्चों ने घबराकर गांव में सूचना दी, जिसके बाद ग्राम प्रधान के माध्यम से पुलिस को खबर दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया। घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र कर ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकलवाया गया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। दो दिन बाद शव की पहचान असमोली थाना क्षेत्र के गांव कमालपुर उर्फ काफरपुर निवासी सबरीन के रूप में हुई। परिजनों के अनुसार युवती गुरुवार रात से लापता थी। मृतका के पिता बाबू ईंट-भट्ठे पर चौकीदार हैं और घटना की रात ड्यूटी पर थे। घर में मां परवीन, बहन तरन्नुम, भाई अजीम, अब्दुल और दो वर्षीय भांजी मौजूद थे। पिता के अनुसार सेहरी के समय जब वह घर लौटे तो दरवाजा खुला मिला और बेटी घर पर नहीं थी। मामले की गहन जांच के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले। पूछताछ और साक्ष्यों के आधार पर खुलासा हुआ कि सबरीन का अपने बहनोई हाशिम निवासी सिरसी, जनपद संभल से लंबे समय से प्रेम संबंध था। युवती द्वारा शादी का दबाव बनाए जाने और आत्महत्या की धमकी दिए जाने से आरोपी कथित रूप से परेशान था। पुलिस के अनुसार हाशिम ने सबरीन को घर से बुलाया और अपने साथियों अजीम व आदिल के साथ मिलकर उसका गला घोंट दिया। हत्या के बाद शव को बघी गोवर्धनपुर के जंगल में स्थित 15 फीट गहरी कुइया में फेंक दिया गया, ताकि पहचान छिपाई जा सके। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

उपराष्ट्रपति, गृहमंत्री समेत कई नेताओं ने दी विश्व वन्यजीव दिवस की बधाई

एजेंसी। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई नेताओं ने मंगलवार को विश्व वन्यजीव दिवस की बधाई दी। राधाकृष्णन ने एक्स पोस्ट पर लिखा कि विश्व वन्यजीव दिवस हमारे ग्रह को बनाए रखने वाले जंगली जीवों और वनस्पतियों की असाधारण विविधता का जश्न मनाने की याद दिलाता है। भारत को वन्यजीव संरक्षण में वैश्विक नेता होने पर बहुत गर्व है। भारत दुनिया के सबसे बड़े जंगली बाघों और एक सींग वाले गैंडों का घर है, एशियाई हाथियों की एक महत्वपूर्ण आबादी है और जंगल में राजसी एशियाई शेर का एकमात्र प्राकृतिक आवास है। इस समृद्ध जीव-जंतु के पूरक के रूप में भारत में फूलों के पौधों की 17,000 से अधिक प्रजातियां, पश्चिमी घाट और पूर्वी हिमालय में विविध वन पारिस्थितिकी तंत्र और विशाल मैंग्रोव निवास स्थान हैं जो देश की पारिस्थितिक लचीलापन को मजबूत करते हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने विश्व वन्यजीव दिवस पर कहा कि हम प्रकृति के साथ सद्भाव में रहने के भारत के शाश्वत लोकाचार की पुष्टि करें। राजसी बाघ से लेकर सबसे छोटी प्रजाति तक प्रत्येक जीवन रूप हमारे पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखता है। यह दिन आने वाली पीढ़ियों के लिए वन्यजीवों की सुरक्षा और संरक्षण के हमारे संकल्प को मजबूत करे। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने प्रकृति संरक्षण के लिए समर्पित सभी नागरिकों एवं प्रदेश वासियों को विश्व वन्यजीव दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वन्यजीव बचेंगे, तभी जीवन बचेगा। वन्यजीव जैव-विविधता और पारिस्थितिक संतुलन के अमूल्य अंग हैं। इनका संरक्षण केवल प्रकृति की रक्षा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है।

मजलिस-ए-सोयम में उमड़ा अकीदतमंदों का सैलाब

सैय्यद कुमैल ज़ैदी

आयतुल्लाह सैयद अली हुसैनी ख़ामेनेई को ख़िराज-ए-अकीदत; चौधरी सैयद फैज़ान अली नक़वी की निगरानी में कार्यक्रम सम्पन्न

संभल/ सिरसी कस्बे में ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह सैयद अली हुसैनी ख़ामेनेई की याद में मजलिस-ए-सोयम का आयोजन किया गया। यह मजलिस क़दीमी इमामबारगाह क़िला ग़रबी में अकीदत और एहतराम के साथ सम्पन्न हुई, जिसमें बड़ी तादाद में अकीदतमंदों ने शिरकत की।मजलिस को इमाम-ए-जुमा सिरसी मौलाना सैयद हसीन अख्तर जैदी ने ख़िताब किया। उन्होंने अपने संबोधन में मरहूम की ज़िंदगी, उनकी खिदमात और उम्मत के लिए उनके योगदान पर विस्तार से रोशनी डाली तथा सब्र और इत्तेहाद का पैग़ाम दिया।मजलिस का माहौल ग़मगीन रहा और हर आंख अश्कबार नज़र आई। उपस्थित लोगों ने नम आंखों से मग़फ़िरत और बुलंदी-ए-दराजात की

दुआ की।कार्यक्रम वरिष्ठ मुन्तज़िम मुतवल्ली चौधरी सैयद फैज़ान अली नक़वी की निगरानी में सम्पन्न हुआ, जबकि जनाब मुतवल्ली सिरसी चौधरी सीरत उरूज आलम की देखरेख में व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित की गईं।अंत में सामूहिक दुआ के साथ मजलिस का समापन हुआ। इसे मौके पर चौधरी अब्बास चौधरी मालिक मुर्तजा अली चौधरी हैदर अली अली मोहम्मद अब्दी एडवोकेट मुतवल्ली चौधरी सीरत उरूज चौधरी हुसैन अली चौधरी कासिम अली चौधरी मशद अली।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की प्रधानमंत्री मोदी को चिट्ठी

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और

हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों के कारण फंसे कन्नड़ भाषियों सहित अन्य भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने तत्काल राजनयिक कार्रवाई, विशेष वापसी उड़ानों की व्यवस्था और फंसे हुए यात्रियों के लिए समन्वित सहायता सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मध्य पूर्व क्षेत्र में बढ़ते तनाव से प्रभावित कन्नड़ भाषी और अन्य भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए त्वरित कदम उठाने का आग्रह किया। ङ्क पर साझा किए गए एक पोस्ट में सिद्धारमैया ने कहा कि मैंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव से प्रभावित कन्नड़ भाषी और अन्य भारतीयों की सुरक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। मैंने राजनयिक प्रयासों को मजबूत करने, आवश्यकता पड़ने पर विशेष वापसी उड़ानों की व्यवस्था करने और दूतावासों और एयरलाइंस के माध्यम से समन्वित सहायता प्रदान करने का आग्रह किया है। कर्नाटक अपने लोगों की सुरक्षा और सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए पूर्ण सहयोग देने को तैयार है।

हिमाचल सरकार का स्पष्टीकरण, वेतन पर 2016 से 60% पे-मैट्रिक्स लागू

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ा रहे कॉन्ट्रैक्ट टीचर्स के लिए एक बड़ी अच्छी खबर है। हिमाचल प्रदेश सरकार ने स्पष्ट किया है कि संविदा शिक्षकों (कॉन्ट्रैक्ट टीचर्स) का वेतन संबंधित नियमित शिक्षकों की पे-मैट्रिक्स के 60 प्रतिशत के आधार पर 01 जनवरी 2016 से उनके नियमितीकरण तक निर्धारित किया जाएगा। स्कूल शिक्षा निदेशालय द्वारा इस महीने जारी किए गए एक नोटिफिकेशन में कहा गया है कि यह स्पष्टीकरण हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के हालिया आदेशों के आलोक में जारी किया गया है, जो संविदा आधार पर नियुक्त शिक्षकों के वेतन निर्धारण से संबंधित हैं। नोटिफिकेशन के अनुसार, कॉन्ट्रैक्ट टीचर्स का वेतन संबंधित नियमित संवर्ग के लागू पे-मैट्रिक्स के प्रथम सेल के 60 प्रतिशत के बराबर तय किया जाएगा। यह वित्त विभाग के कार्यालय ज्ञापन के अनुरूप होगा। आदेश में उल्लेख किया गया है कि यह स्पष्टीकरण सीओपीसी संख्या 722/2024 (सीडब्ल्यूपी संख्या 2056/2023 एवं 7224/2024) में हाईकोर्ट द्वारा दिए गए निर्देशों के बाद आवश्यक हुआ। हाईकोर्ट ने प्राधिकारियों को निर्देश दिया था कि याचिकाकर्ताओं के कॉन्ट्रैक्ट पीरियड के वेतन का निर्धारण संशोधित वेतनमान की न्यूनतम सीमा तथा अनुमन्य वार्षिक वृद्धि सहित एक जनवरी 2016 से प्रभावी अधिसूचना के अनुसार किया जाए, जो लंबित पत्र पेटेंट अपील (एलपीए) के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा। निदेशालय ने कहा कि वेतन निर्धारण को लेकर विभिन्न स्तरों से स्पष्टीकरण मांगे जा रहे थे। इसलिए राज्य के सभी उपनिदेशकों (माध्यमिक एवं प्रारंभिक शिक्षा) को एक समान निर्देश जारी किए गए हैं, ताकि आदेशों का समान रूप से अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। यह निर्णय राज्यभर के बड़ी संख्या में कॉन्ट्रैक्ट टीचर्स को लाभ पहुंचाने वाला माना जा रहा है, जो हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुरूप वेतन समानता की मांग कर रहे थे।

राज्यसभा सीट को लेकर कांग्रेस ने ठाकरे से की पीछे हटने की गुहार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में विपक्ष के पास जीतने योग्य एक ही राज्यसभा सीट है, जिसपर कांग्रेस और शिवसेना यूबीटी दोनों ही दावा पेश कर चुके हैं। अब खबरें हैं कि कांग्रेस ने उद्धव ठाकरे से सीट पर दावेदारी छोड़ने की अपील की है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। कहा जा रहा है कि कांग्रेस के लिए यह सीट राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खरगे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र कांग्रेस प्रभारी और केरल विधायक रमेश चेन्नीथला ने ठाकरे से बात की थी। उन्होंने ठाकरे से कहा कि यह सीट कांग्रेस को दी जानी चाहिए, जिसके बदले में शिवसेना यूबीटी को एमएलसी सीट दी जाएगी। खास बात है कि राज्यसभा सीट पर नामांकन की आखिरी तारीख 5 मार्च है। इसपर नतीजों का ऐलान 16 मार्च को होगा।

अप्रैल में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार, शिवसेना यूबीटी नेता प्रियंका चतुर्वेदी, राकांपा (एसपी) की फौजिया खान, आरपीआई (आठवले) के रामदास आठवले, भाजपा के भागवत कराड, कांग्रेस की रजनी पाटिल और राकांपा के धैर्यशील पाटिल का राज्यसभा कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। सत्तारूढ़ महायुति के पक्ष में भारी बहुमत को देखते हुए एमवीए संसद के ऊपरी सदन और विधान परिषद में केवल एक-एक सदस्य को निर्वाचित कराने में सफल हो सकती है।

एक सीट पर मची रार, इन नेताओं का पूरा हो रहा कार्यकाल

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि चेन्नीथला ने ठाकरे को बताया कि महाराष्ट्र की यह एकमात्र सीट कांग्रेस के लिए बेहद जरूरी है। क्योंकि अगर कांग्रेस को यह सीट नहीं मिलती है, तो संभावनाएं हैं कि पार्टी नेता प्रतिपक्ष के पद पर दावा गंवा सकती है।

सूत्र ने कहा, 'राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद के लिए किसी भी विपक्षी दल को कुल सीटों का 10 फीसदी या कम से कम 25 सदस्य रखने होते हैं। मौजूदा स्थिति है कि कांग्रेस के पास संख्या बल 27 का है, लेकिन कई सांसद ऐसे हैं जिनका कार्यकाल समाप्त हो रहा है।ऐसे में 25 का आंकड़ा बनाए रखना चुनौती हो सकता है। ऐसे में एक राज्यसभा सीट भी अहम साबित हो सकती है।'

उन्होंने कहा, 'इसके चलते कांग्रेस नेतृत्व ने उद्धव ठाकरे से इस मुद्दे पर नहीं अड़ने का अनुरोध किया है। इसके बदले में कांग्रेस शिवसेना यूबीटी को एक एमएलसी सीट देने के लिए तैयार है।'

खास बात है कि इस सीट पर महाविकास अघाड़ी के तीनों बड़े दलों की नजर है। एक ओर जहां आदित्य ठाकरे ने एक पोस्ट में कहा, 'राज्यसभा चुनाव के लिए हो रही वार्ता में कोई गतिरोध नहीं है; सभी दल एक-दूसरे के संपर्क में हैं। हमने एक राज्यसभा सीट पर अपना दावा पेश किया है, क्योंकि संख्यात्मक ताकत और एमवीए के लिए तय 'रोटेशन' नीति के अनुसार इस सीट पर शिवसेना यूबीटी को चुनाव लड़ना चाहिए।' वहीं, कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा कि उनकी पार्टी इस सीट से चुनाव लड़ने के अपने दावे पर अडिग है, लेकिन साथ ही उन्होंने कहा कि बातचीत चल रही है और विचार-विमर्श के बाद निर्णय लिए जाएंगे। इधर, वरिष्ठ राजनेता शरद पवार भी इस सीट के दावेदारों में शामिल बताए जा रहे हैं। खबर है कि उनकी बेटी और लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले ने गठबंधन के साथियों से पिता का समर्थन करने की अपील की है।

हाथरस में डबल डेकर बस ने कार में पीछे से मारी टक्कर

हाथरस, एजेंसी। हाथरस में यमुना एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के दिल्ली से गोरखपुर जा रही डबल डेकर बस ने इको कार को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में राजस्थान और आगरा के रहने वाले 6 लोगों की मौत हो गई और 7 घायल हो गए। घायल दिल्ली से धौलपुर लौट रहे थे।

होली पर दिल्ली से गोरखपुर जा रही डबल डेकर बस हादसे ने कई परिवारों की खुशियां छीन लीं। हाथरस में यमुना एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के सादाबाद कोतवाली क्षेत्र के गांव गढ़ी हरिया के निकट अनियंत्रित डबल डेकर बस ने आगे जा रही इको कार में जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में इको सवार छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में राजस्थान के धौलपुर का एक दंपती और आगरा के बाह का एक दंपती शामिल है।

अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) रामानंद कुशवाह के मुताबिक, यह दर्दनाक हादसा मंगलवार तड़के करीब 4 बजे हुआ। डबल डेकर बस दिल्ली से सवारी भरकर गोरखपुर की तरफ जा रही थी। जैसे ही बस सादाबाद क्षेत्र के गढ़ी हरिया गांव के पास पहुंची, चालक ने तेज रफ्तार के कारण संतुलन खो दिया और आगे चल रही इको कार में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि इको कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और एक्सप्रेसवे की एक लेन पर

यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक (एस्क) रामानंद कुशवाहा, एसडीएम मनीष चौधरी और तहसीलदार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे घायलों को बाहर निकाला। हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी, जबकि सात लोग जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे थे। घायलों को तत्काल एंबुलेंस के जरिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया, जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें आगरा के हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

मौके पर मची चीख पुकार: पुलिस जांच में सामने आया है कि इको कार में सवार सभी लोग दिल्ली से राजस्थान के धौलपुर जिले के राजाखेड़ा जा रहे थे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे शवों और घायलों को बाहर निकाला। भीषण हादसे में मरे तीन लोग आगरा और तीन लोग राजस्थान में धौलपुर के राजाखेड़ा निवासी थे। सभी इको से प्रेम नगर दिल्ली से धौलपुर जा रहे थे और अलग-अलग स्थानों से बैठे थे। घायल बच्चों को उपचार के लिए आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा रेफर किया गया है। पुलिस ने बस को खंदौली पुलिस चौकी पर खड़ा करवाया है।

दिल्ली की विवाहित महिला की हत्या कर नोएडा में फेंका शव, कनॉट प्लेस की कंचन के रूप में हुई पहचान

नोएडा, एजेंसी। नोएडा में एक्सप्रेसवे थाना क्षेत्र स्थित गुलशन माल के सामने सर्विस रोड पर सोमवार सुबह एक महिला का शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक टीम बुलाकर साक्ष्य जुटाए। वहीं, घटनास्थल से मिले पैन कार्ड के आधार पर शव दिल्ली की एक विवाहित महिला का निकला। पते पर महिला के पति के नहीं मिलने से उस पर हत्या करने का शक जताया जा रहा है। पुलिस की तीन टीम महिला के पति की तलाश में जुटी हैं। करीब एक दिन पुराना शव होने के चलते दूसरी जगह हत्या कर नोएडा में ठिकाने लगाना सामने आया है। एक राहगीर ने डायल 112 पुलिस को सूचना दी कि गुलशन माल के सामने सर्विस रोड पर किसी महिला का शव पड़ा है। एक्सप्रेसवे थाना पुलिस मौके पर पहुंची। महिला ने नाइट शूट पहना हुए था। गले समेत शरीर पर चोट आदि के निशान नहीं मिलने से मौत का स्पष्ट कारण पता नहीं चल सका। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम को भिजवा दिया। महिला के पास से एक पैन कार्ड मिला। इससे महिला की पहचान दिल्ली कनॉट प्लेस स्थित काली मंदिर के पास रहने वाली कंचन पुत्री जय सिंह के रूप में हुई। स्थानीय लोगों ने पति-पत्नी में विवाद होने की जानकारी दी। इससे पुलिस प्रेम-प्रसंग या व्यक्तिगत विवाद को हत्या का मुख्य कारण मानकर चल रही है। एडीसीपी मनीषा सिंह ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने पर पर ही मौत का स्पष्ट कारण पता चलेगा।

अरब देशों में फंसे पंजाब के लोगों की मदद के लिए एक्टिव हुई मान सरकार, हेल्पलाइन नम्बर जारी

चंड़ीगढ, एजेंसी। खाड़ी देशों में फंसे पंजाब के नागरिकों को सुरक्षित लाने के लिए पंजाब सरकार हरकत में आ गई है। ईरान-इस्राइल टकराव के बीच कई पंजाबी परिवार संयुक्त अरब अमीरात में फंस गए हैं। इनमें से ज्यादातर पर्यटक हैं जो अलग-अलग देशों में घूमने गए थे लेकिन फ्लाइट्स रद्द होने के कारण वह देश नहीं लौट पाए। ऐसे लोगों और उनके परिवारों की मदद के लिए

पंजाब सरकार ने हेल्पलाइन कंट्रोल रूम 0172-2260042, 0172-2260043, व्हाट्सएप नंबर +91 94787 79112 जारी किए हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बताया कि अरब देशों में लड़ाई की वजह से कई पंजाबियों को इन देशों में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इन हालातों को देखते हुए सरकार ने एनआरआई विंग के नंबर जारी किए हैं। अगर कोई या उनके परिवार का कोई सदस्य इन देशों में फंसा है, तो तुरंत इन नंबर पर संपर्क करें। मैं विदेश मंत्रालय के संपर्क में हूं। हम उन्हें जल्द से जल्द सभी जरूरी मदद देने के लिए तैयार हैं। यूएई और अन्य अरब देशों में फंसे परिवारों के परिजनों में चिंता का माहौल है, लेकिन राज्य सरकार की सक्रियता से उन्हें राहत की उम्मीद जगी है। संयुक्त अरब अमीरात के हवाई अड्डों पर पंजाब के सैकड़ों परिवार और बठिंडा की प्रिंसिपल नीरू गर्ग फंसे हुए हैं। युद्ध के कारण उड़ानों के रद्द होने से शारजाह और दुबई एयरपोर्ट पर लोगों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। पंजाब के एनआरआई मामलों के मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने खुद मोर्चा संभाल लिया है। डॉ. रवजोत सिंह ने भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर को एक आधिकारिक पत्र लिखकर अपील की है कि विभिन्न देशों विशेषकर मिडिल ईस्ट में फंसे पंजाब के लोगों को प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षित वापस निकाला जाए।

राजस्थान: भिवाड़ी में गौ तस्करी का आरोप, पत्थरबाजी में एक की मौत; इलाके में तनाव

भिवाड़ी, एजेंसी। राजस्थान के भिवाड़ी में रविवार देर रात को कथित गौ तस्करों और गौ रक्षकों के बीच हिंसक झड़पें हुई हैं। बताया जाता है कि कुछ लोग कथित गौ तस्करों का पीछा कर रहे थे तभी दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। इस दौरान हुई पत्थरबाजी में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसकी अस्पताल में मौत हो गई है। मृतक के परिजनों ने गौ रक्षकों पर गोली मारकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस ने मौके से 5 गोवंश बरामद किए हैं। तनाव को देखते हुए भारी फोर्स तैनात की गई है।

राजस्थान के भिवाड़ी शहर के चोपानकी थाना क्षेत्र में रविवार देर रात को गौ रक्षकों को गौ तस्करी की सूचना मिली थी। इस पर गौ रक्षक मौके पर पहुंचे तो उनकी मुठभेड़ कथित गौ तस्करों से हो गई। दोनों ओर से जमकर पत्थरबाजी हुई। इस मुठभेड़ में एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। भिवाडी डीएसपी कैलाश चौधरी ने बताया की पुलिस को फोन पर सूचना मिली थी कि कुछ लोग गायों की तस्करी कर रहे हैं। फोन करने वाले ने यह भी बताया कि कुछ लोग इन कथित गौ तस्तरों का पीछा

कर रहे हैं। इसी दौरान दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। मुठभेड़ के दौरान दोनों ओर से पत्थरबाजी हुई, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि झड़प और भारी पत्थरबाजी में आमिर नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घायल युवक हरियाणा के उटावड़ गांव का निवासी बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में मृतक के परिजन और ग्रामीण चोपानकी थाने पहुंच गए और विरोध प्रदर्शन किया। परिजनों ने आरोप लगाया कि युवक को गोली मारी गई, जिससे उसकी मौत हुई। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया कि बजरंग दल के लोगों ने हत्या की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सहित वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। भिवाड़ी डीएसपी कैलाश चौधरी ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। फिलहाल पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड से कराया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का खुलासा हो सकेगा। पुलिस ने मौके से 5 गौवंश (गाय-बैल) बरामद किए हैं। इससे प्रथम दृष्टया मामला गो तस्करी से जुड़ा माना जा रहा है।

बनेगा आतंकवाद निरोधक थाना, एटीएस के गठन की भी घोषणा

गुरुग्राम, एजेंसी। सुरक्षा चुनौतियों और संभावित आतंकी खतरों से निपटने के लिए हरियाणा सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस बार के बजट में गुरुग्राम में आतंकवाद निरोधक थाना स्थापित करने का प्रावधान किया है। इसके साथ ही पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) स्तर के अधिकारी के अधीन एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) के गठन की भी घोषणा की गई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को विधानसभा में बतौर वित्त मंत्री पेश किए गए बजट में इसकी घोषणा की। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से सटा होने और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों की मौजूदगी के कारण गुरुग्राम संवेदनशील श्रेणी में आता है। ऐसे में खुफिया निगरानी, त्वरित कार्रवाई के लिए यह कदम उठाया गया है। आईजी रैंक अधिकारी की निगरानी में काम करेगा एटीएस एटीएस आईजी स्तर के अधिकारी की देखरेख में काम करेगा। आतंकी गतिविधियों, संदिग्ध संगठनों और साइबर माध्यम से होने वाली राष्ट्रविरोधी साजिशों पर नजर रखना होगा। सरकार का कहना है कि इन कदमों से न केवल आतंकवादी घटनाओं से निपटने की क्षमता बढ़ेगी, बल्कि जेल सुरक्षा व्यवस्था भी आधुनिक तकनीक से सुसज्जित होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि गुरुग्राम जैसे तेजी से विकसित हो रहे शहर में सुरक्षा ढांचे को मजबूत करना समय की मांग है।

हिमाचल में सात से नौ मार्च तक वर्षा व हिमपात की संभावना, सक्रिय होगा पश्चिमी विक्षोभ

शिमला, एजेंसी। प्रदेश में सूखे से रबी की फसलों, सेब व अन्य फलों का उत्पादन प्रभावित होगा। प्रदेश में इन दिनों न्यूनतम व अधिकतम तापमान सामान्य से तीन से पांच डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया जा रहा है। सोमवार को प्रदेश में धूप खिली रही, जिससे अधिकतम तापमान में करीब एक डिग्री सेल्सियस वृद्धि दर्ज की गई है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार सात, आठ व नौ मार्च को पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इससे प्रदेश के ऊंचे क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर वर्षा या हिमपात हो सकता है। अभी तक पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता कमजोर लग रही है। फरवरी में सामान्य से 85 से 90 प्रतिशत कम वर्षा होने से कृषि व बागवानी पर असर पड़ा है। प्रदेश में सबसे अधिक तापमान ऊना में 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। पहियों में स्नो चेन लगाकर पर्यटक अपने वाहनों में शिंकुला भी जा सकेंगे। इसके लिए प्रशासन ने गाइडलाइन जारी कर समयसारिणी निर्धारित की है। पर्यटकों के लिए सुबह नौ से दोपहर तीन बजे तक समय निर्धारित किया है। पुलिस अधीक्षक लाहुल स्पीति शिवानी मेहला ने पर्यटकों का आह्वान किया कि वे मौसम की

जानकारी लेकर यात्रा पर निकलें। विधायक अनुराधा राणा ने बताया कि शिंकुला पर्यटन स्थल के रूप में उभर रहा है। इससे पर्यटन से जुड़े कारोबारियों में भी काफी उत्साह है। पर्यटन स्थलों में पर्यटकों को आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के प्रयास जारी हैं।

एसपीआर पर बनेगा 14 किलोमीटर लंबा 8 लेन एलिवेटेड रोड, 2900 करोड़ का बजट मंजूर

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेसवे और दिल्ली-जयपुर हाईवे को गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड से जोड़ रहे एसपीआर (सदर्न पेरिफेरल रोड) पर करीब 14 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रोड का निर्माण होगा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को विधानसभा में बतौर वित्त मंत्री बजट पेश करते हुए इस एलिवेटेड रोड के निर्माण के लिए 2900 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी।

द्वारका एक्सप्रेसवे से वाटिका चौक तक सड़क की लंबाई करीब 8.84 किलोमीटर है। इसके ऊपर 8 लेन की एलिवेटेड रोड बनाने के लिए करीब 1846 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इसी तरह वाटिका चौक से लेकर गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड की लंबाई करीब 5.1 किलोमीटर है। इसके ऊपर एलिवेटेड रोड निर्माण पर 1065 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस एलिवेटेड रोड के बनने के बाद द्वारका एक्सप्रेसवे, दिल्ली-जयपुर हाईवे, गुरुग्राम-सोहना हाईवे और गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड आपस में जुड़ जाएंगे। इस एलिवेटेड रोड के माध्यम से दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे तक पहुंचना आसान हो जाएगा। वाटिका चौक पर क्लोवरलीफ का निर्माण किया जाएगा।

इस एलिवेटेड रोड के निर्माण की

डीपीआर एमडीए की तरफ से तैयार करवाई गई है। बजट की मंजूरी मिलने के बाद इस रोड के निर्माण को लेकर टेंडर प्रक्रिया को शुरू किया जाएगा। टेंडर आवंटन के बाद ढाई साल के अंदर रोड को बना दिया जाएगा। इसके बनने से सेक्टर-45 से सेक्टर-115 तक विकसित सेक्टर, कॉलोनी और सोसाइटियों के लोगों को लाभ होगा। मुख्यमंत्री ने बजट में गुरुग्राम में चार फ्लाईओवर और एक अंडरपास के निर्माण को मंजूरी दी। इनमें अंबेडकर चौक, दादी सती चौक, जेड चौक (मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन), बख्तावर चौक, गढ़ी हरसरू रेलवे क्रॉसिंग शामिल हैं। इनके निर्माण पर करीब 302 करोड़ रुपये की लागत आएगी। अगले 15 दिन के अंदर दादी सती चौक और अंबेडकर चौक पर फ्लाईओवर निर्माण का टेंडर लग जाएगा। जीएमआरएल बख्तावर चौक फ्लाईओवर का निर्माण करेगा।

संक्षिप्त समाचार

होलिका दहन से रंग खेलने तक धूप दिखाएगी तेवर, 32 डिग्री तक पहुंचेगा तापमान

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में होली के दौरान मौसम शुष्क रहेगा और तापमान 32 डिग्री तक जाएगा। तेज हवाओं के कारण किसानों को खेतों में ज्यादा पानी न भरने की सलाह दी गई है। कानपुर में होलिका दहन से लेकर रंग खेलने तक मौसम शुष्क रहेगा। दिन में कड़ी धूप से गर्मी भी महसूस होगी। हवा 12 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चल सकती है। तापमान 32 डिग्री तक जा सकता है। रात का पारा 15 से 16 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। सोमवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम 15 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। अगले तीन दिन बारिश की संभावना नहीं हैं। उन्होंने किसानों को सुझाव दिया है कि वे अपने खेतों में नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई जरूर करें। ज्यादा पानी से तेज हवा के कारण फसलें गिरने का डर है।

नाला निर्माण धीमा होने से व्यापारियों में आक्रोश

मेरठ, एजेंसी। वार्ड-89 गुलजार इब्राहिम मोहल्ले में आरसीसी नाले का निर्माण कार्य धीमी गति से चल रहा है। इस पर व्यापारियों ने नाराजगी जताते हुए हंगामा किया। व्यापारियों ने नगर निगम की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए व्यापारियों ने नगर आयुक्त सौरभ गंगवार को ज्ञापन दिया है। व्यापारियों का कहना कि ट्यूबवेल चौराहे से भूमिया के पुल तक का मार्ग व्यस्त रहता है। वर्तमान में नाले की खुदाई कर मिट्टी, रोड़ी-डस्ट सड़क पर डाल दिए गए हैं। कई दुकानों के सामने बने स्लैब भी तोड़ दिए गए हैं, जिससे लगातार जाम की स्थिति बनी हुई है। रमजान माह में मस्जिदों में नमाज के समय भारी भीड़ रहती है। होली और रमजान के चलते बाजारों में आवाजाही बढ़ गई है। धीमे निर्माण कार्य से व्यापार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। कई दुकानदारों को अपने प्रतिष्ठान तक बंद करने पड़ते हैं। आरोप कि अवर अभियंता, सहायक अभियंता, सुपरवाइजर और ठेकेदार की मिलीभगत के कारण कार्य जानबूझकर धीमा चल रहा है। व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि निगम ने जल्द समस्या का समाधान नहीं किया तो क्षेत्र के लोग भूमिया के पुल पर धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। ज्ञापन देने वालों में पूर्व पार्षद अफजाल सैफी, जीशान ख्वाजा, मोहम्मद आमिर, मोहम्मद आबिद समेत कई व्यापारी शामिल रहे।

हंगाई की चकाचौंध में खो गईं पीतल की पिचकारियां

हाथरस, एजेंसी। होली का त्योहार आते ही बाजार रंग-बिरंगी पिचकारियों से सज गए हैं, लेकिन परंपरागत पीतल की पिचकारियां और फौव्वारे बाजारों से लगभग गायब हो चुके हैं। करीब दो दशक पहले तक जिले में पीतल के उत्पाद बनाने की समृद्ध परंपरा के कारण होली पर पीतल की पिचकारियों से रंग खेलने का विशेष परंपरा थी।पीतल के बर्तन के पुराने कारोबारी बताते हैं कि पीतल के फौव्वारों में खुशबूदार रंग और इत्र मिलाकर छिड़काव किया जाता था, जिससे होली का आनंद और भी बढ़ जाता था। उस समय इन पिचकारियों को संभालकर वर्षों तक इस्तेमाल किया जाता था और इन्हें शान की वस्तु माना जाता था। वर्तमान में बाजारों में प्लास्टिक से बनी आधुनिक पिचकारियों का बोलबाला है। हल्की, सस्ती और आकर्षक डिजाइन वाली इन पिचकारियों ने पारंपरिक उत्पादों की जगह ले ली है। बच्चों को लुभाने के लिए इन पर लोकप्रिय किरदारों के स्टीकर लगाए जा रहे हैं, जिनमें डोरेमोन, स्पाइडर मैन, छोटा भीम आदि जैसे पात्र प्रमुख हैं। स्थानीय कारीगरों का कहना है कि बदलते समय और बढ़ती लागत के कारण पीतल की पिचकारियों का निर्माण लगभग बंद हो गया है।

धनबाद-गोरखपुर और रक्सौल-उधना के बीच चलेगी होली स्पेशल

गोरखपुर, एजेंसी। गोरखपुर। होली के मौके पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन ने दो साप्ताहिक होली स्पेशल ट्रेनों के संचालन का निर्णय लिया है। इन ट्रेनों में अग्रिम आरक्षण कर यात्री त्योहार के दौरान अपनी यात्रा को सुगम बना सकते हैं। 03677 धनबाद-गोरखपुर साप्ताहिक होली स्पेशल नौ मार्च से 30 मार्च तक प्रत्येक सोमवार को धनबाद से रात 12:30 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन शाम 4:15 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। वापसी में 03678 गोरखपुर-धनबाद साप्ताहिक होली स्पेशल नौ मार्च से 30 मार्च तक प्रत्येक सोमवार को गोरखपुर से शाम 7:50 बजे रवाना होगी और अगले दिन दोपहर 1:00 बजे धनबाद पहुंचेगी। इसके अलावा 05559 रक्सौल-उधना साप्ताहिक होली स्पेशल 28 फरवरी से 28 मार्च तक प्रत्येक शनिवार को रक्सौल से सुबह 5:30 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन गोरखपुर होते हुए अगले दिन दोपहर 1:05 बजे उधना पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 05560 उधना-रक्सौल साप्ताहिक होली स्पेशल एक मार्च से 29 मार्च तक प्रत्येक रविवार को उधना से अपराह्न 3:35 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन अगले दिन गोरखपुर से शाम 7:05 बजे छूटकर रात 12:15 बजे रक्सौल पहुंचेगी।

ऑडियो वायरल होने के बाद सीओ बोलीं, पत्रकारों को नहीं दी धमकी

मेरठ, एजेंसी। ब्रह्मपुरी क्षेत्र की क्षेत्राधिकारी सौम्या अस्थाना का एक ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इसमें वह अपने अधीनस्थों को पत्रकारों के थाने में वीडियोग्राफी करने पर प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए निर्देशित कर रही हैं। ऑडियो वायरल होने के बाद सीओ ने सफाई दी है कि उन्होंने पत्रकारों पर प्राथमिकी के लिए नहीं कहा। उन्होंने उन लोगों पर कार्रवाई के लिए कहा था जो पत्रकार नहीं हैं और थाने में आने वाली महिलाओं की वीडियोग्राफी करते हैं। सीओ का 26 सेकंड का ऑडियो वायरल हुआ है। इसमें वह कह रही हैं कि सभी थाने ध्यान दें- मेरे किसी भी थाने के अंदर किसी भी पत्रकार द्वारा वीडियोग्राफी की जाती है तो तत्काल मुकदमा लिखवाएं। थाना टीपीनगर में कोई प्रकरण चल रहा है। मैंने उसको बता दिया है कि थाने के गेट पर जो पुलिसकर्मी खड़े होते हैं, उन्हें भी ब्रीफ कर दिया जाए। थाने में किसी पत्रकार द्वारा वीडियोग्राफी नहीं की जाएगी। अगर ऐसा होता है तो मैं डे अफसर और थानेदार से भी बात करूंगी। वायरल ऑडियो में वह पत्रकारों पर प्राथमिकी दर्ज कराने की बात कहते हुए सुनाई दे रही हैं।

खाड़ी देशों के तनाव का प्रदेश पर पड़ा सीधा असर

रुक गया चमड़ा, रेडीमेड और मीट सहित इन चीजों का निर्यात

लखनऊ, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर अब उत्तर प्रदेश के निर्यातकों पर भी दिखने लगा है। राज्य का सालाना कुल निर्यात लगभग 1.86 लाख करोड़ तक पहुंच चुका है, जिसमें खाड़ी देशों की हिस्सेदारी सीमित लेकिन अहम है। निर्यातकों का कहना है कि यदि क्षेत्रीय संघर्ष लंबा खिंचता है तो लॉजिस्टिक लागत, ऑर्डर और भुगतान चक्र प्रभावित हो सकते हैं। उत्तर प्रदेश से सबसे अधिक निर्यात संयुक्त अरब अमीरात को होता है। उपलब्ध व्यापार आंकड़ों के अनुसार राज्य से यूएई को सालाना लगभग 5,000 से 6,000 करोड़ के उत्पाद भेजे जाते हैं। यह यूपी के कुल निर्यात का लगभग 5-6 प्रतिशत हिस्सा है।

चर्म निर्यात परिषद के पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष जावेद इकबाल के मुताबिक यूएई को मुख्य रूप से रेडीमेड गारमेंट्स, चमड़ा और लेदर उत्पाद (कानपुर क्लस्टर), बासमती चावल, हैंडीक्राफ्ट (मुरादाबाद पीतल उत्पाद) और इलेक्ट्रॉनिक सामान निर्यात किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त सऊदी अरब, कतर, ओमान, कुवैत और बहरीन को भी यूपी से कृषि उत्पाद, मीट उत्पाद, इंजीनियरिंग सामान और निर्माण सामग्री भेजी जाती है।

इन सेक्टरों पर ज्यादा खतरा

लेदर उद्योग (कानपुर-उन्नाव) : खाड़ी बाजार पर निर्भरता के कारण ऑर्डर घटने का जोखिम।

कृषि व खाद्य प्रसंस्करण : भुगतान चक्र में देरी का असर।

एमएसएमई निर्यातक : शिपिंग बीमा और मालभाड़ा बढ़ने से मार्जिन घट सकता है।

तेल महंगा तो लागत बढ़ेगी

कंटेनर कारोबारी मोहम्मद शिराज के मुताबिक कच्चे तेल की कीमतें और बढ़ीं हैं तो फैक्ट्री संचालन लागत, माल ढुलाई खर्च, कंटेनर शिपिंग चार्ज, निर्यात प्रतिस्पर्धा पर पड़ेगा। बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यातकों पर असर सीमित रह सकता है, लेकिन छोटे और मध्यम उद्योगों पर दबाव अधिक रहेगा। उन्होंने कहा कि यदि क्षेत्रीय हालात जल्दी सामान्य हो जाते हैं तो निर्यात पर असर सीमित रह सकता है। लेकिन लंबा तनाव रहने पर ऑर्डर में अस्थायी गिरावट, भुगतान में देरी, लॉजिस्टिक बाधाएं, निर्यात लागत में वृद्धि हो सकती है।

फेडरेशन आफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गनाइजेशन के एके श्रीवास्तव ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव यदि लंबा खिंचता है तो उत्तर प्रदेश के निर्यात पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह का असर पड़ सकता है। आशंका है कि खाड़ी क्षेत्र में अस्थिरता बनी रहने पर यूपी के कुल निर्यात में 3 से 8 प्रतिशत तक अस्थायी गिरावट आ सकती है।

संभावित आर्थिक असर

1- तनाव 1-2 महीने में सामान्य हुआ तो शिपिंग लागत 5-7 प्रतिशत बढ़ेगी। ऑर्डर अस्थायी रूप से धीमे होने पर निर्यात पर 2-3 प्रतिशत प्रभाव।

2- तनाव 6 माह तक जारी रहा तो समुद्री बीमा व मालभाड़ा 10-20 प्रतिशत महंगा होगा। छोटे निर्यातकों की प्रतिस्पर्धा घटेगी और निर्यात में 5-8 प्रतिशत तक कमी आ सकती है। भुगतान चक्र 30-60 दिन तक खिंच सकता है।

3- तेल 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर हुआ तो परिवहन लागत बढ़ने से उत्पादन लागत 4-6 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। एमएसएमई सेक्टर पर गंभीर दबाव होगा।

गोसेवा में रमे सीएम योगी: गोवंश को खिलाया गुड़-रोटी, नामों से पुकारकर गायों-गोवंश को खूब दुलारा

गोरखपुर, एजेंसी। गोरखनाथ मंदिर प्रवास पर मंगलवार प्रातः काल सीएम योगी की दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर शीश झुकाकर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं तो गोसेवा उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा रहती है।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मंगलवार सुबह जनता दर्शन लगाकर जनसेवा करने के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंदिर की गोशाला में जाकर गोसेवा में भी रमे रहे। उन्होंने नामों से पुकारकर, स्नेहिल थपकी देकर गायों-गोवंश को खूब दुलारा। गुड़-रोटी खिलाया और गोशाला के कार्यकर्ताओं को गोवंश के समुचित देखभाल के निर्देश दिए।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास पर मंगलवार प्रातः काल सीएम योगी की दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर शीश झुकाकर आशीर्वाद लिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं तो गोसेवा उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा रहती है। मंगलवार सुबह भी वह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए गोशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोशाला में सीएम योगी ने चारों तरफ भ्रमण करते हुए श्यामा, गौरी, गंगा, भोला आदि नामों से गोवंश को पुकारा। उनकी आवाज इन गोवंश के लिए जानी पहचानी है। प्यार भरी पुकार सुनते ही कई गोवंश दौड़ते-मचलते हुए उनके पास आ गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी के माथे पर हाथ फेरा, उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़-रोटी खिलाया। इसी क्रम में उन्होंने भोले नामक एक विशाल नंदी को स्नेह की थपकी देते हुए गुड़-रोटी खिलाया।

उसके शरीर पर लगी धूल-मिट्टी को पहले अपने हाथों से साफ किया और फिर गोशाला कार्यकर्ता को निर्देशित किया कि भोले के शरीर को सूखे कपड़े से साफ कर दिया जाए। मंदिर की गोशाला में सीएम योगी ने मोर पर भी स्नेह बरसाया और उसे अपने हाथों से रोटी खिलाया।

सपा की निगाह प्रदेश के दलित वोटों पर, 15 मार्च को पार्टी सभी जिलों में मनाएगी कांशीराम जयंती

लखनऊ, एजेंसी। सपा ने 15 मार्च को सभी जिलों में कांशीराम जयंती मनाने का फैसला किया है। पार्टी का प्रयास है कि जिलास्तर पर होने वाले इन कार्यक्रमों में दलित समाज के लोगों की ज्यादा से ज्यादा भीड़ जुटाई जाए। आयोजनों में बसपा संस्थापक कांशीराम और सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बीच रहे रिश्तों की भी याद दिलाई जाएगी। इस संबंध में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सभी जिला व महानगर पदाधिकारियों को कांशीराम जयंती पर कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।

जेएनयू के सेवानिवृत्त शिक्षक और समकालीन राजनीति के जानकार प्रो. रवि कहते हैं कि कभी यूपी में मुलायम-कांशीराम फैक्टर बहुत प्रभावी था। नब्बे के दशक में इस फैक्टर से दलितों और पिछड़ों की सामाजिक व राजनीतिक हैसियत में बड़ा बदलाव देखने को मिला।

अब दलित-पिछड़ों के गठजोड़ के इसी फैक्टर की बदौलत सपा ने यूपी की राजनीति में दखल बढ़ाने का निर्णय लिया है। सपा नेतृत्व का मानना है कि दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक (पीडीए) का फॉर्मूला उन्हें सत्ता तक पहुंचा सकता है। यही वजह है कि कांशीराम जयंती को सपा पीडीए दिवस के रूप में मनाएगी।

इसके तहत जिलों में होने वाले कार्यक्रमों के जरिये सपा याद दिलाएगी कि कांशीराम ने मंडल रिपोर्ट के समर्थन में राष्ट्रव्यापी आंदोलन खड़ा किया था। 1992 में सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के साथ समझौता कर बहुजन समाज बनाओ अभियान को तेज किया था। कांशीराम ने ही दिसंबर 1993 में मुलायम सिंह की सरकार बनवाई।

सराफ की दुकान पर की फायरिंग, फैली दहशत

हाथरस, एजेंसी। लोहट बाजार में रविवार देर शाम बाइक सवार दो बदमाशों ने व्यापारी की दुकान पर दो बार फायरिंग की। एक गोली चलाने के बाद दुकान के सामने खड़े होकर तमंचा दोबारा लोड किया और दूसरा फायर झोंका। इससे इलाके में दहशत फैल गई। घटना के बाद काफी संख्या में व्यापारी एकत्रित हो गए। कोतवाली सदर पहुंचकर सराफा व्यापारियों ने आक्रोश जाहिर किया। सीओ सिटी ने कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया, तब कहीं जाकर व्यापारी शांत हुए। आगरा रोड स्थित अग्रसेन विहार कॉलोनी के रहने वाले सौरभ अग्रवाल सराफ हैं और लोहट बाजार में उनकी दुकान है।

रविवार को सराफा व लोहट बाजार बंद था। शाम 7:38 अपाचे बाइक सवार दो युवक कमला बाजार की ओर से लोहट बाजार में पान वाले की दुकान से बाइक घुमाकर सौरभ की दुकान के सामने खड़े हो गए। दोनों युवकों के चेहरे सफेद स्वाफी से ढंके हुए थे। बाइक चलाने वाले युवक ने अपनी जेब से तमंचा निकाला और दुकान के शटर पर गोली चला दी। इसके बाद इत्मीनान से दोनों दुकान के बाहर खड़े रहे।

फिर युवक ने खाली खोल तमंचे से निकाला और दूसरा राउंड लोड किया। इसके बाद तमंचा पीछे बैठे युवक को दे दिया। बीच सड़क पर बाइक आड़ी करने के बाद पीछे वाले युवक से सामने फायर करने के लिए बोला। युवक ने दुकान पर फायर झोंक दिया, जो कि एसी से ऊपर दीवार में लगा। इसके बाद दोनो बाइक लेकर सादाबाद गेट की तरफ भाग निकले।

घटना के समय पान की दुकान खुली हुई थी तथा वहां दो ग्राहक मौजूद थे। 55 सेकंड में बदमाशों ने इस घटना को अंजाम दिया। इस दौरान वहां से राहगीर भी निकल रहे थे। पर डर के कारण कोई नहीं बोला।

फायरिंग करने वाले दोनों युवकों ने ही लोहट बाजार में एक दिन पहले 28 फरवरी को स्कूटी सवार युवक से तमंचे के बल पर नाली से चाभी निकलवाई थी। लोहट बाजार में सौरभ की दुकान के सामने ही कुंवरपुर के लाखन सिंह के सिर पर दोनों युवकों ने तमंचा तान दिया था।

रश्मि के लगातार दो गोल तीन राष्ट्रीय मुकाबले खेल चुकीं तनु की टीम पर पड़े भारी

वाराणसी , एजेंसी। विवेक एकेडमी की ओर से आयोजित जिलास्तरीय बालिका हॉकी सोमवार शाम को संपन्न हुई। फाइनल में तीन राष्ट्रीय मुकाबले खेल चुकीं तनु ने पहले हाफ के पांचवें मिनट में गोल कर लालबहादुर शास्त्री परमानंदपुर की टीम को बढ़त दिलाई लेकिन दूसरे हाफ के अंतिम तीन मिनट में रश्मि ने लगातार दो गोल कर विवेक एकेडमी हरहुआ की टीम को ट्रॉफी दिला दी।

आयोजन सचिव ओलंपियन राहुल सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता का फाइनल कांटे का हुआ। 52 मिनट तक मैच में एक भी गोल नहीं हुआ। मैच शुरू होते ही लाल बहादुर शास्त्री परमानंदपुर की फॉर्वर्ड खिलाड़ी तनु ने पहले हाफ के 5वें मिनट में गोल कर अपनी क्षमता दिखाई। तीन राष्ट्रीय मुकाबलों का अनुभव काम आया और टीम ने 48 प्रतिशत बॉल अपने पास रखा लेकिन रक्षापंक्ति की खामियां विरोधी टीम को लीड दे दिया।

पहले हाफ में एक गोल बढ़त हासिल करने वाली लालबहादुर शास्त्री क्लब की टीम दूसरे हाफ में बिखरती गई। विवेक एकेडमी की फॉर्वर्ड खिलाड़ी मधु ने वर्षा और अंशिका की मदद से तीनों ने एक एक गोल किया। जबकि खेल समाप्त होने सात मिनट पहले लेफ्ट फार्वर्ड खिलाड़ी रश्मि ने लगातार दो गोल कर हरहुआ की टीम को अजेय बना दिया। महिला वर्ग के फाइनल में विवेक अकेडमी हरहुआ ने लालबहादुर शास्त्री परमानंदपुर की टीम को 6-1 के स्कोर से हराया।

बालक वर्ग का फाइनल आज

जिलास्तरीय हॉकी में बालक वर्ग का फाइनल मंगलवार को शिवपुर मिनी स्टेडियम में खेली जाएगी। बालक वर्ग का सेमीफाइनल लालपुर और विवेक अकेडमी हरहुआ की टीम के बीच खेला गया। इसमें विवेक अकेडमी ने 4-3 से जीत हासिल की। विवेक अकेडमी की ओर से अक्षय ने 2, गोलू और रोहित ने 1-1 गोल किया, जबकि लालपुर की टीम के अंकित, पवन और अश्वनी ने 1-1 गोल किया। इस जीत के साथ विवेक अकेडमी हरहुआ की टीम फाइनल में पहुंच गई है। बालक वर्ग की ट्रॉफी के लिए हरहुआ की टीम का मुकाबला विवेक अकेडमी शिवपुर की टीम से बुधवार को होगा।

निरंकार निर्दोष है, बहन लक्ष्मी ने बड़े भाई पर ही किए सवाल, बहराइच में चार हत्या के मामले में नया मोड़

बहराइच , एजेंसी। बहराइच में संपत्ति विवाद में एक युवक ने कुल्हाड़ी से हमला कर माता-पिता, दादी और बहन की हत्या कर दी। चीख-पुकार सुनकर पहुंचे बड़े भाई ने विरोध किया, तो उसपर भी कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इसके बाद आरोपी ने ईंट से वार कर खुद को घायल कर लिया। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

यूपी के बहराइच जिले के रामनगर गांव में चार हत्याओं की खबर से सोमवार सुबह पूरा जिला सन्न रह गया। गांव से लेकर शहर तक हर किसी की जुबान पर एक ही सवाल था, आखिर एक साथ चार लोगों की हत्या कैसे और क्यों हुई? मौके पर पहुंची पुलिस प्रारंभिक जानकारी के आधार पर जांच में जुटी रही। मृतक के बड़े पुत्र गुरुदेव ने छोटे भाई निरंकार पर हत्याओं का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है।

हत्याकांड में उस समय नया मोड़ आ गया, जब दोपहर बाद बदलूराम की पुत्री लक्ष्मी रोते-बिलखते पोस्टमार्टम हाउस पहुंची। लक्ष्मी ने कहा कि उसका भाई निरंकार स्वभाव से सीधा है और वह इस तरह की घटना को अंजाम नहीं दे सकता। लक्ष्मी ने मेडिकल कॉलेज में भर्ती बड़े भाई गुरुदेव पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह अपने पुत्र को पूरी संपत्ति दिलाना चाहता है।

इसी बात को लेकर परिवार में अक्सर विवाद होता था। उसने यह भी आरोप लगाया कि गुरुदेव की गांव में भी लोगों से अधिक बनती नहीं थी। उसके आरोप से पुलिस की पूरी थ्योरी ही बदलती नजर आई। ऐसे में अब तक छोटे भाई पर लगे आरोपों के बीच बहन के बयान ने पुलिस जांच को नया आयाम दे दिया है।

अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) ने कहा कि पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंची मृतक की पुत्री का बयान महत्वपूर्ण है। उसे भी जांच में शामिल किया गया है। सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। शीघ्र ही चारों हत्याओं की गुत्थी सुलझा ली जाएगी। फिलहाल पूरे गांव में दहशत और असमंजस की स्थिति बनी हुई है। पुलिस का कहना है कि साक्ष्यों और वैज्ञानिक जांच के आधार पर ही वास्तविक आरोपी की पुष्टि की जाएगी।

बहुत सीधा है निरंकार, कैसे कर सकता है घटना? : पूर्व प्रधान फौजदार वर्मा ने बताया कि सोमवार सुबह जैसे ही घटना की जानकारी मिली, उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ। वह तत्काल मौके पर पहुंचे, लेकिन वहां का दृश्य देखकर उनका दिल दहल गया। आंगन में लाशें बिखरी पड़ी थीं। उन्होंने कहा कि बदलूराम ने अपनी खेत और अन्य संपत्तियां पहले ही दोनों बेटों में बांट दी थीं।

उनकी जानकारी में परिवार में किसी प्रकार का कोई विवाद नहीं था। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई पारिवारिक मामला भीतर ही भीतर चल रहा हो तो उसकी उन्हें जानकारी नहीं है। पूर्व प्रधान ने कहा कि निरंकार पर हत्या का आरोप लगाया जा रहा है, लेकिन वह स्वभाव से बहुत सीधा और शांत लड़का है। ऐसे में वह इस तरह की घटना कैसे कर सकता है, यह समझ से परे है।

संपत्ति विवाद में माता-पिता, दादी, बहन की हत्या की : बहराइच के रुपईडीहा के रामनगर गांव में रविवार रात करीब 1:30 बजे संपत्ति विवाद में युवक ने कुल्हाड़ी से हमला कर माता-पिता, दादी और बहन की हत्या कर दी। चीख-पुकार सुनकर पहुंचे बड़े भाई ने विरोध किया, तो उसपर भी कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इसके बाद आरोपी ने ईंट से वार कर खुद को घायल कर लिया। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

पुलिस के अनुसार, बदलूराम ने कुछ दिनों पहले 12 बिस्वा जमीन बेची थी। पैसे को लेकर परिवार में तनाव चल रहा था। रविवार रात करीब 12 बजे परिवार के सदस्य खाना खाकर सोने जा रहे थे। इसी दौरान बेची गई जमीन और गहनों का पैसा नहीं देने की बात पर छोटे बेटे निरंकार ने विवाद शुरू कर दिया। लगभग एक घंटे तक कहासुनी चलती रही। बड़े बेटे गुरुदेव के अनुसार, निरंकार और परिजनों के बीच हो रही कहासुनी को रोज का विवाद समझकर वह अपने कमरे में चला गया। कुछ देर बाद चीख-पुकार सुनाई दी। वह अपने बेटे के साथ कमरे से बाहर निकला तो आंगन में दादी शीतला देवी (82), पिता बदलूराम (62), मां संजू देवी (60) और बहन पार्वती (35) लहूलुहान पड़ी थीं।

कुल्हाड़ी से किया वार : शोर मचाने पर निरंकार ने उसपर भी कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। किसी तरह गुरुदेव ने कुल्हाड़ी पकड़कर झटका दिया, जिससे दोनों गिर पड़े। इस दौरान गुरुदेव का सिर दीवार से टकरा गया और वह घायल हो गया। गुरुदेव के अनुसार, निरंकार ने पास में पड़ी ईंट से अपने ही सिर पर कई वार कर खुद को भी घायल कर लिया। तब तक आसपास के लोग जुट गए।

पुलिस को सूचना दी गई। चौकी प्रभारी बाबागंज शिवेश कुमार शुक्ला पुलिस टीम के साथ पहुंचे। घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चरदा भेजा गया। वहां चिकित्सकों ने शीतला देवी, बदलूराम, संजू देवी और पार्वती को मृत घोषित कर दिया।हमले में गंभीर रूप से घायल गुरुदेव (33) और निरंकार (27) को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

संक्षिप्त समाचार

कई साल से बन चुका था सीक्रेट प्लान, कैमरों से कंपाउंड तक लगाई सेंध

लंदन, एजेंसी। इस्राइल और अमेरिका ने ईरान के खिलाफ पहले कार्रवाई करते हुए जंग का एलान किया। इस जंग में सबसे पहले सुप्रीम नेता खामेनेई को निशाना बनाया गया। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर कैसे इस्राइल और अमेरिका को खामेनेई की लोकेशन का पता चला। जिसे लेकर अब बड़ा खुलासा हुआ है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत के बाद यह सवाल उठ रहा है कि अमेरिका और इस्राइल ने इतना सटीक हमला कैसे किया? इस पर लंदन स्थित फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस्राइल ने वर्षों तक तेहरान के ट्रैफिक कैमरा नेटवर्क और मोबाइल सिस्टम में गहरी सेंध लगाकर खामेनेई की गतिविधियों पर नजर रखी। रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ कैमरे ही नहीं बल्कि मोबाइल नेटवर्क डाटा तक पहुंच बनाई गई, जिससे सुरक्षा घेरे और मूवमेंट पैटर्न का पूरा डिजिटल नक्शा तैयार किया गया। फाइनेंशियल टाइम्स ने मामले की जानकारी रखने वाले दो लोगों के हवाले से बताया है कि इस्राइली खुफिया एजेंसी ने तेहरान के लगभग सभी ट्रैफिक कैमरों को वर्षों से हैक कर लिया था। बताया गया है कि तेहरान के अधिकतर ट्रैफिक कैमरों की लाइव फीड को एन्क्रिप्ट कर तेल अवीव और दक्षिणी इस्राइल के सर्वरों पर भेजा जा रहा था। एक कैमरे का एंगल खासतौर पर उपयोगी माना गया, जिससे खामेनेई के हाई-सिक्योरिटी कंपाउंड के सामान्य हिस्से की झलक मिलती थी।

बच्चा है या अजूबा! जन्मा 5.9 किलो का नन्हा खली

न्यूयार्क, एजेंसी। आमतौर पर नवजात शिशुओं का वजन 2.5 से 3.5 किलोग्राम के बीच होता है लेकिन न्यूयॉर्क के केयुगा मेडिकल सेंटर में एक ऐसे सुपर बेबी ने जन्म लिया है जिसने अस्पताल के सारे पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। 5.9 किलोग्राम (करीब 13 पाउंड) के इस बच्चे की तस्वीरें और उसके साथ जन्मी एक छोटी बच्ची की कहानी इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही है। 31 जनवरी को टेरिका और शॉन के घर में उनके बेटे शॉन जूनियर की किलकारी गूंजी। जब डॉक्टरों ने उसे तौला तो वे अपनी आंखों पर यकीन नहीं कर पाए। बच्चे का वजन 5.9 किलो निकला जो सामान्य बच्चों से दोगुना है। मां टेरिका ने मजाक में कहा कि ऐसा लग रहा है जैसे उन्होंने सीधे 3 महीने के बच्चे को जन्म दिया हो। शॉन जूनियर को अभी से ही 3-6 महीने के बच्चों के कपड़े और डायपर पहनाए जा रहे हैं क्योंकि नवजात वाले कपड़े उसे फिट ही नहीं आ रहे। इस कहानी में सबसे दिलचस्प मोड़ तब आया जब अस्पताल ने शॉन जूनियर की तुलना उसी दिन जन्मी एक अन्य बच्ची मार्गोट से की। जहां शॉन 5.9 किलो का था वहीं मार्गोट का वजन महज 1.8 किलोग्राम था। अस्पताल ने फेसबुक पर दोनों बच्चों की एक साथ फोटो शेयर की। इस तस्वीर में शॉन जूनियर, मार्गोट के सामने किसी जायंट बेबी जैसा लग रहा था। मार्गोट की मां क्लोई ने इसे कुदरत की विविधता का सबसे सुंदर उदाहरण बताया। अस्पताल की निदेशक रॉबिन टॉर्गल्स्की ने बताया कि उनकी मेडिकल टीम हर स्थिति के लिए तैयार रहती है चाहे बच्चा 4 पाउंड का हो या 13 पाउंड का।

भारतीय मूल की छात्रा समेत चार लोगों की मौत; ईरान युद्ध से निकला लिंक

टेक्सास, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास के ऑस्टिन शहर में एक बार के बाहर हुई गोलीबारी में चार लोगों की मौत की खबर सामने आई थी। शुरुआत में इस घटना में मरने वालों की पहचान नहीं बताई गई थी। लेकिन अब इस हमले में 21 वर्षीय भारतीय मूल की छात्रा की मौत की खबर सामने आई है। अमेरिका में भारतीय मूल की छात्रा की मौत रविवार को वेस्ट सिक्स्थ स्ट्रीट पर एक भीड़भाड़ वाले एंटरटेनमेंट डिस्ट्रिक्ट में एक गनमैन ने फायरिंग कर दीं, जिसमें ऑस्टिन की रहने वाली भारतीय-अमेरिकी छात्रा सविता शान की मौत हो गई। सविता शान यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सस एट ऑस्टिन में डुअल-डिग्री सीनियर थीं। यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने उन्हें मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम और इकोनॉमिक्स की पढ़ाई करने वाली एक बेहतरीन स्टूडेंट बताया। सविता शान की हत्या से ऑस्टिन में रहने वाले बड़े भारतीय समुदाय में, खासकर सिलिकॉन हिल्स कॉरिडोर में रहने वाले छात्रों और टेक्नोलॉजी प्रोफेशनल्स को गहरा सदमा लगा है।

अमेरिकी हाउस कमेटी ने जारी की क्लिंटन दंपती से पूछताछ की रिकॉर्डिंग

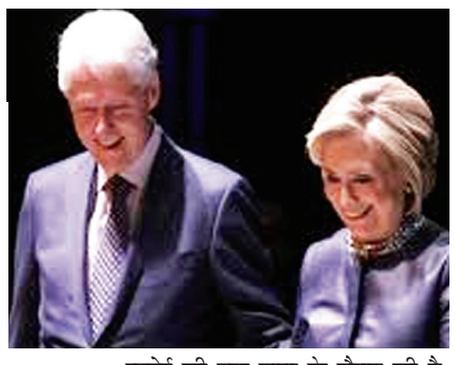

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने हाल ही में अमेरिकी संसद की एक समिति के सामने गवाही दी। यह गवाही बंद कमरे में हुई थी, लेकिन अब उसके वीडियो जारी कर दिए गए हैं। इन वीडियो में क्लिंटन ने खुद को कुख्यात यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से दूर बताते हुए कहा कि उनका रिश्ता बहुत सीमित था। अमेरिका की एक हाउस कमेटी ने पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन के बयान के वीडियो सार्वजनिक कर दिए हैं। यह बयान कुख्यात वित्त कारोबारी और दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़े मामले में लिए गए थे। एपस्टीन पर नाबालिग लड़कियों के शोषण के गंभीर आरोप थे। कमेटी ने पिछले हफ्ते दो दिनों तक चली लंबी पूछताछ की रिकॉर्डिंग जारी की। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों नेताओं से घंटों तक शपथ लेकर सवाल-जवाब किए गए। बिल क्लिंटन ने कहा कि उन्होंने एपस्टीन से अपना संबंध कई साल पहले ही खत्म कर लिया था, और यह सब 2008 में एपस्टीन के नाबालिग लड़की से देह व्यापार के मामले में दोषी ठहराए जाने से पहले की बात है। क्लिंटन ने समिति को बताया कि उन्होंने एपस्टीन से संबंध वर्षों पहले ही खत्म कर लिए थे, यानी 2008 में जब एपस्टीन ने नाबालिग लड़की से देह व्यापार कराने के मामले में दोष स्वीकार किया, उससे पहले ही। क्लिंटन ने कहा कि जब वह एपस्टीन के साथ थे, तब उन्हें कभी ऐसा नहीं लगा कि वह महिलाओं या लड़कियों की तस्करी में शामिल है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि उन्होंने एपस्टीन के साथ कभी युवा लड़कियों के बारे में कोई चर्चा नहीं की। क्लिंटन की पत्नी और पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने भी समिति के सामने बयान दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें तो याद भी नहीं कि उन्होंने कभी एपस्टीन से मुलाकात की हो। गवाही के दौरान सांसदों ने क्लिंटन से उन तस्वीरों के बारे में भी सवाल पूछे, जो हाल ही में एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों में सामने आई हैं। एक तस्वीर में वह एक महिला के साथ स्विमिंग पूल में दिख रहे थे। क्लिंटन ने कहा कि वह उस महिला को नहीं जानते और उनके बीच किसी तरह का अनुचित संबंध नहीं था। उन्होंने बताया कि यह तस्वीर ब्रुनेई की एक यात्रा के दौरान की है, जहां कई लोग साथ में तैराकी कर रहे थे। क्लिंटन ने कहा कि उनका एपस्टीन से रिश्ता सिर्फ औपचारिक और शिष्टाचार वाला था। उन्होंने कहा, हम दोस्ताना व्यवहार रखते थे, लेकिन इतने करीबी दोस्त नहीं थे। कांग्रेस के सदस्य यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि एपस्टीन के अपराधों के बारे में किसे क्या जानकारी थी और क्या किसी ने जानबूझकर अनदेखी की।

टैरिफ नीति पर ट्रंप को दोहरा झटका- सुप्रीम कोर्ट के बाद संघीय अदालत का फैसला

वॉशिंगटन, एजेंसी। पहले अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति को अवैध करार दिया, फिर बौखलाए ट्रंप ने अपनी इस नीति को लेकर खूब बयानबाजी की। वहीं अब रिफंड प्रक्रिया में देरी कर रहे ट्रंप प्रशासन को संघीय अदालत से बड़ा झटका लगा है। यहां जानिए इस पूरे मामले को... अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति जहां एक ओर दुनिया भर में चर्चा का विषय बना हुआ है। ऐसे में अब ट्रंप को उनकी टैरिफ को लेकर दोहरा झटका लगा है, जहां एक ओर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने अमेरिकी टैरिफ को अवैध बताते हुए पूरी तरह से रद्द करने का फैसला सुनाया था। वहीं दूसरी ओर अब अमेरिका की संघीय अदालत ने भी ट्रंप प्रशासन की उस मांग को खारिज कर दिया, जिसमें प्रशासन अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की तरफ से पिछले महीने अवैध घोषित किए गए टैरिफ का रिफंड देने की प्रक्रिया को धीमा करना चाहता था। संघीय सर्किट की अपीलीय अदालत ने अब रिफंड प्रक्रिया को अगले चरण में भेजते हुए इसे निचली अदालत को सौंप दिया है, जो तय करेगी कि रिफंड कैसे दिया जाएगा। बता दें कि ट्रंप प्रशासन ने शुक्रवार को अदालत से 90 दिन के लिए प्रक्रिया रोकने का अनुरोध किया था, लेकिन जजों ने इसे पूरी तरह से मना कर दिया। बता दें कि इससे पहले अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 20 फरवरी को फैसला सुनाते हुए कहा था कि ट्रंप प्रशासन की तरफ से अधिकांश देशों पर लगाए गए व्यापक टैरिफ अवैध थे। इससे उन आयातकों को रिफंड का रास्ता खुल गया जिन्होंने ये शुल्क अदा किए थे।

खामनेई की हत्या के बाद प्रतिरोध की धुरी बिखरी

लेबनान, यमन व इराक में ईरान समर्थित गुटों के अस्तित्व पर संकट

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और इस्राइल के हमले में अयातुल्ला खामेनेई की हत्या ने पश्चिम एशिया में प्रतिरोध की धुरी को हिला दिया। आईआरजीसी और जमीनी मार्ग टूटने से सहयोगी गुट अब वैचारिक निष्ठा और स्थानीय अस्तित्व के बीच संतुलन साधने में उलझे हैं। रणनीतिक प्रतिक्रिया में असमंजस साफ दिख रहा है। अमेरिका और इस्राइल के हवाई अभियान में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या ने पश्चिम एशिया की भू-राजनीतिक संरचना को झकझोर दिया है। दशकों से ईरान द्वारा खड़ा किया गया एक्सिस ऑफ रेजिस्टेंस (प्रतिरोध की धुरी) जो लेबनान, यमन और इराक में सक्रिय सहयोगी गुटों पर आधारित था अब नेतृत्वहीन और असमंजस की स्थिति में दिखाई दे रहा है। तेहरान ने चेतावनी दी है कि वह सब कुछ जला देगा और अमेरिका तथा इस्राइल को अभूतपूर्व जवाब देगा, लेकिन जमीनी स्तर पर उसके सहयोगी गुटों की प्रतिक्रिया से संकेत मिलता है कि वैचारिक निष्ठा और स्थानीय अस्तित्व के बीच संतुलन साधना उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक खामेनेई की मौत से ईरान की उस व्यवस्था को बड़ा झटका लगा है जिसके सहारे वह अपने सहयोगी गुटों को संभालता था। यह व्यवस्था तीन चीजों पर टिकी थी। पहली, सर्वोच्च नेता की वैचारिक पकड़। दूसरी, आईआरजीसी यानी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स का सैन्य समन्वय। तीसरी, सीरिया के रास्ते लेबनान तक बना जमीनी संपर्क।सीरिया में 2024 के अंत में बशर अल-असद की सरकार गिरने के बाद यह जमीनी रास्ता पहले ही टूट चुका था। इससे लेबनान के हिज्बुल्लाह तक हथियार और अन्य मदद पहुंचाना मुश्किल हो गया था। अब खामेनेई और आईआरजीसी के कई बड़े

कमांडरों की मौत के बाद नेतृत्व का खालीपन और बढ़ गया है। तेहरान विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हसन अहमदियन ने कहा है कि अब ईरान रणनीतिक धैर्य की नीति छोड़ सकता है और कड़ा जवाब दे सकता है। लेकिन जमीनी हालात बताते हैं कि उसके सहयोगी गुट उतनी जल्दी और खुलकर कदम उठाने की स्थिति में नहीं हैं।

लेबनान में हिजबुल्ला को ईरान का सबसे मजबूत सहयोगी माना जाता है। खामेनेई की मौत के बाद उसने हमले की कड़ी निंदा की, लेकिन सीधे तौर पर इस्राइल पर हमला करने या बदला लेने की घोषणा नहीं की। हिजबुल्ला का बयान ज्यादा रक्षात्मक था। उसमें कहा गया कि वह आक्रामकता का सामना करेगा, लेकिन हमला करने की सीधी धमकी नहीं दी गई। हिजबुल्ला इस समय कमजोर स्थिति में है। सीरिया का रास्ता बंद होने से उसकी सप्लाई प्रभावित हुई है। लेबनान खुद आर्थिक और राजनीतिक संकट से गुजर रहा है। ऐसे में हिजबुल्ला खुला युद्ध शुरू करने से बचता दिख रहा है। यमन में हूती विद्रोहियों की स्थिति भी आसान नहीं है। उनके नेता अब्देल-मलिक अल-हूती ने कहा है कि वे हर स्थिति के लिए तैयार हैं। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि ईरान मजबूत है और वही जवाब देगा। इससे संकेत मिलता है कि हूती फिलहाल सीधा टकराव नहीं चाहते। हूती पहले ही लाल सागर में जहाजों को निशाना बना चुके हैं और इस्राइल की ओर मिसाइलें दाग चुके हैं। लेकिन अब यमन के भीतर उनकी स्थिति चुनौतीपूर्ण होती जा रही है। अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त यमनी सरकार दोबारा सना पर कब्जा करने की तैयारी में है। रक्षा मंत्री ताहेर अल-अकीली ने कहा है कि अभियान राजधानी की ओर बढ़ रहा है। अगर हूती इस समय ईरान के लिए बड़े युद्ध में कूदते हैं तो उनका घरेलू मोर्चा कमजोर पड़ सकता है। इसलिए वे बयानबाजी तो कर रहे हैं, लेकिन बड़ा कदम उठाने से बच रहे हैं।

रियाद में अमेरिकी दूतावास पर ड्रोन हमला, ट्रंप बोले- जल्द देंगे जवाब

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया इन दिनों भयानक तनाव से गुजर रहा है। अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष ने खाड़ी देशों में भी चिंता बढ़ा दी है। सऊदी अरब और कुवैत में अमेरिकी दूतावासों पर ड्रोन हमले हुए हैं। जिसके चलते अमेरिकी विदेश विभाग ने अमेरिकी नागरिकों से तुरंत खाड़ी देशों को छोड़ने की सलाह दी है। ऐसे में पढ़ें जंग से जुड़े सभी अपडेट्स... पश्चिम एशिया में बीते कुछ दिनों से दहशत का माहौल है। इस्राइल, अमेरिका और ईरान के बीच जारी सैन्य टकराव का आज (03 मार्च) चौथा दिन है। इस बीच तनाव और ज्यादा बढ़ता नजर आ रहा है। अमेरिका और इस्राइल की संयुक्त कार्रवाई के बाद ईरान के भी चुप नहीं है और ताबड़तोड़ पलटवार कर रहा है। सऊदी, कतर और कुवैत सहित कई अरब देशों में स्थित अमेरिकी ठिकानों पर ईरान बमबारी कर रहा है। इधर, इस्राइल की सेना का तेहरान और बेरूत पर लगातार हमला जारी है। वहीं ईरान की ओर से भेजे गए दो ड्रोन रियाद स्थित अमेरिकी दूतावास के पास गिरे। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। ईरान ने कुवैत में अमेरिका के आरिफजान बेस पर हमला किया है। व्हाइट हाउस में दिए बयान में अमेरिका राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यह सैन्य अभियान 4 से 5 सप्ताह तक चल सकता है और जरूरत पड़ने पर इससे अधिक समय तक भी जारी रह सकता है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी सेना बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई कर रही है। इधर, अमेरिका विदेश विभाग ने अपने नागरिकों से गंभीर सुरक्षा जोखिमों के चलते खाड़ी देशों को तुरंत छोड़ने को कहा है। इन देशों में बहरीन, कुवैत, मिस्र, लेबनान, ईरान, ओमान, इराक, कतर, इस्राइल, वेस्ट बैंक और गाजा, सऊदी अरब, सीरिया, जॉर्डन, यूएई और यमन शामिल हैं

अमेरिकी अधिकारियों ने सऊदी अरब में रहने वाले अमेरिकी नागरिकों से तत्काल सुरक्षित स्थान पर रहने और रियाद स्थित अमेरिकी दूतावास से दूर रहने का आग्रह किया है। दूतावास पर दो ड्रोन हमले किए गए थे। अमेरिकी दूतावास ने सोशल मीडिया पर कहा कि जेद्दा, रियाद और ढाहरान में शरण लेने की चेतावनी जारी की गई है। साथ ही क्षेत्र में किसी भी सैन्य ठिकाने पर गैर-जरूरी यात्रा से बचने को कहा गया है। सऊदी अधिकारियों के अनुसार हमले में सीमित आग लगी और मामूली नुकसान हुआ। ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि उसकी नौसेना ने संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में अमेरिकी बलों को निशाना बनाकर जटिल हमला किया। कुवैत के अरीफजान बेस पर भी ड्रोन हमले का दावा किया है। अमेरिका राष्ट्रपति ट्रंप ने रियाद में अमेरिकी दूतावास पर हमले पर प्रतिक्रिया दी है। अमेरिका में न्यूजनेशन के एक पत्रकार से बातचीत के हवाले से अल जजीरा ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि जब उनसे पूछा गया कि अमेरिकी दूतावास पर हुए हमले की प्रतिक्रिया क्या होगी? तो उन्होंने साफ कहा कि आपको बहुत जल्द पता चल जाएगा। साथ ही कहा कि ईरान के क्षेत्र में जमीनी स्तर पर अमेरिकी सेना की तैनाती की आवश्यकता नहीं होगी। इसी बीच कुवैत में तैनात अमेरिकी लड़ाकू विमानों से जुड़ा एक बड़ा हादसा सामने आया है। अमेरिकी रक्षा विभाग के अनुसार, कुवैत के एयर डिफेंस सिस्टम ने गलती से तीन अमेरिकी स्र-15श्र फाइटर जेट को दुश्मन विमान समझकर निशाना बना लिया। इस घटना में सभी पायलट सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

नेपाल में चुनाव सामग्री ले जा रही गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त, दो की मौत

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 5 मार्च के चुनाव के लिए चुनाव सामग्री और कर्मचारियों को ले जा रही एक गाड़ी सोमवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घटना रामेचाप जिले के देउराली में हुई, जब मिनी ट्रक सड़क से उतरकर 150 मीटर गहरी ढलान पर गिर गया। इसमें एक पुलिसकर्मी और एक शिक्षक की मौत हुई, जबकि सात अन्य घायल हो गए। घायलों को बाद में हवाई मार्ग से काठमांडू ले जाया गया। अमेरिका में टेक्सास के एक बार के बाहर अज्ञात हमलावर ने गोलीबारी कर दो लोगों की हत्या और 14 को घायल कर दिया। पुलिस और एफबीआई के अनुसार, 53 वर्षीय संदिग्ध नडियागा डायग्ने पहले किसी जांच या रडार पर नहीं था। हमलावर ने ईरानी झंडे वाले कपड़े पहने थे और हमला उस समय हुआ जब बार और आसपास के इलाके में लोग मौजूद थे। मामले की जांच संभावित आतंकवादी कार्रवाई के तौर पर की जा रही है। रूस के एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया नेटवर्क ने भारतीय छात्रों के लिए साहित्यिक ग्रंथों में रूसी सर्दी विषय पर एक विशेष टेलीब्रिज आयोजित किया। मॉस्को स्थित विदेशी साहित्य पुस्तकालय से संचालित होने वाले इस कार्यक्रम में भारत के 9 राज्यों के 13 शहरों की 14 यूनिवर्सिटीज के छात्र हिस्सा ले रहे हैं। इनमें दिल्ली, पुणे, हैदराबाद और कोल्हापुर जैसे शहरों के संस्थान शामिल हैं। यह आयोजन मॉडर्न रशियन प्रोजेक्ट के तहत रशियन हाउस (नई दिल्ली) के सहयोग से किया जा रहा है। ईरान पर अमेरिकी और इस्राइली हमलों के विरोध में पाकिस्तान में भड़की हिंसा ने उग्र रूप ले लिया है। अब तक 26 लोगों की जान जा चुकी है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने सोमवार को उत्तरी क्षेत्र गिलगित-बाल्टिस्तान में सेना तैनात कर दी और देशभर में सभाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। शिया बहुल स्कार्दू में रविवार को प्रदर्शनकारियों ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के कार्यालय में आग लगा दी थी, जिसके बाद हुई झड़पों में एक सैनिक समेत 14 लोग मारे गए।

ईरान के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई होगी, यह अंतहीन युद्ध नहीं, जंग के बीच नेतन्याहू का एलान

यरुशलम, एजेंसी। 28 फरवरी से शुरू हुई जंग चौथे दिन में दाखिल हो चुकी है। अमेरिका और इस्राइल की संयुक्त कार्रवाई के बाद ईरान भी ताबड़तोड़ हमले कर रहा है। इस बीच इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के खिलाफ युद्ध को लेकर बड़ा एलान किया है। उन्होंने साफ कहा कि यह कोई अंतहीन युद्ध नहीं है और ना इसमें वर्षों का समय लगेगा। इसी के साथ उन्होंने कहा कि जल्द ही निर्णायक सैन्य कार्रवाई की जाएगी। ईरान अपने सुप्रीम नेता खामेनेई की मौत के बाद तिलमिलाया हुआ है। इस्राइल के अलावा खाड़ी देशों में स्थिति अमेरिकी बेस पर ईरान के लगातार हमले जारी है। शुरुआती 30 घंटे में ईरान पर 2 हजार से ज्यादा बम गिराए गए। इसी के साथ एक हजार से ज्यादा ठिकानों को निशाना बनाया गया। वहीं ईरान में मरने वालों का आंकड़ा 742 हो गया। इस बीच इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के खिलाफ युद्ध को लेकर बड़ा एलान किया है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि ईरान के खिलाफ प्रस्तावित सैन्य कार्रवाई त्वरित और निर्णायक होगी और इसे वर्षों तक चलने वाले युद्ध में बदलने का इरादा नहीं है। उन्होंने यह बयान फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में दिया। नेतन्याहू ने कहा कि मौजूदा सैन्य टकराव को इस्राइल अंतहीन संघर्ष में बदलना नहीं चाहता। उनका कहना था कि यह अभियान क्षेत्रीय स्थिरता और शांति की दिशा में एक रास्ता खोल सकता है। नेतन्याहू के अनुसार यह कोई अंतहीन युद्ध नहीं है, बल्कि क्षेत्र में स्थायी शांति की दिशा में एक कदम है। नेतन्याहू ने फॉक्स न्यूज को बताया कि मौजूदा संघर्ष इस क्षेत्र के देशों के साथ इस्राइल के संबंधों को सामान्य बनाने वाले और अधिक समझौतों का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

इस्राइल प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि इस्राइल ईरान के साथ लंबे युद्ध में उलझना नहीं चाहता। उन्होंने दोहराया कि सत्ता परिवर्तन की अंतिम जिम्मेदारी ईरान की जनता की है, लेकिन अमेरिका और इस्राइल मिलकर ऐसी परिस्थितियां बना रहे हैं, जिससे वहां के लोग अपने भविष्य को लेकर निर्णय ले सकें। इस्राइल का दावा है कि मौजूदा सैन्य अभियान सीमित समय तक चलेगा और इसे लंबी अवधि की प्रक्रिया में बदलने की योजना नहीं है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने उन आरोपों को खारिज किया है, जिनमें कहा जा रहा था कि ट्रंप अपने अंतहीन युद्धों से बचने के वादे से पीछे हट रहे हैं। फॉक्स न्यूज से बातचीत में वेंस ने कहा कि ईरान पर कार्रवाई इराक और अफगानिस्तान के युद्धों से अलग है, क्योंकि इसका उद्देश्य स्पष्ट रूप से तय किया गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिका को बिना किसी लक्ष्य के वर्षों तक चलने वाले संघर्ष में नहीं झोंकेंगे। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ईरान परमाणु हथियार हासिल न कर सके।

दो ऑस्ट्रियन पुरुष और एक महिला! यहां की त्रिन्गल मेरिज ने इंटरनेट पर मचाया तहलका, दहेज में मिले 1-1 मिलियन बाट

बैंकांक, एजेंसी। थाईलैंड में एक ऐसी शादी संपन्न हुई है जिसने समाज के बने-बनाए नियमों को चुनौती दे दी है। 37 साल की एक महिला ने एक ही मंडप में दो ऑस्ट्रियन पुरुषों के साथ शादी रचाई है। यह कोई फिल्मी कहानी नहीं बल्कि हकीकत है जहां दो पतियों ने एक साथ अपनी पत्नी के साथ जीवन बिताने का फैसला किया है। इंटरनेट पर इस शादी की तस्वीरें और वीडियो 2026 की सबसे अनोखी वेडिंग के नाम से वायरल हो रहे हैं।

थाईलैंड के प्राखोन चाई जिले की रहने वाली डुआंगडुआन केतसारो (37 वर्ष) इस अनोखी शादी की दुल्हन बनी हैं। उनके साथ शादी के बंधन में बंधने वाले दोनों पुरुष ऑस्ट्रिया के नागरिक हैं और आपस में बहुत गहरे दोस्त हैं।ये दोनों पिछले कई सालों से डुआंगडुआन के साथ एक ही घर में रह रहे थे और तीनों के बीच गहरी आपसी समझ थी। डुआंगडुआन पहले से शादीशुदा रह चुकी हैं। उनके तीन बच्चे और दो नाती-पोते भी हैं। पहले पति से अलग होने के बाद उन्होंने सालों तक अकेले संघर्ष किया और अपने परिवार की जिम्मेदारी निभाई।

आमतौर पर शादियों में दुल्हन के परिवार पर दहेज का दबाव होता है लेकिन यहां नजारा बिल्कुल उल्टा था। 28 फरवरी को हुई इस शादी में दोनों विदेशी दूल्हों ने 1-1 मिलियन बाट (यानी करीब 29-29 लाख रुपये प्रति व्यक्ति, कुल 58 लाख रुपये) दहेज के तौर पर दिए। शादी पूरी तरह से थाई रीति-रिवाजों से हुई जिसमें कलाई पर धागा बांधने और बाई स्त्री सू ख्वान जैसे पारंपरिक आशीर्वाद समारोह आयोजित किए गए। जब डुआंगडुआन ने इस श्रीसम मैरिज का प्रस्ताव अपने माता-पिता और बच्चों के सामने रखा तो उन्हें डर था कि समाज क्या कहेगा लेकिन उनके परिवार ने खुशी-खुशी इसे स्वीकार कर लिया।

आम चुनाव को लेकर पीएम सुशीला कार्की की अपील

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने 5 मार्च को होने वाले चुनाव को लेकर देश के मतदाताओं से अपील की है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने जानकारी दी कि सरकार सोशल मीडिया और कुछ माध्यमों से फैलाए जा रहे भ्रामक और तथ्यहीन कंटेंट पर निगरानी रख रही है और कानून के दायरे में कार्रवाई की जा रही है। नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने सोमवार अपराह्न राष्ट्र संबोधन में आगामी 5 मार्च को होने वाले आम निर्वाचन में सभी मतदाताओं से अनिवार्य रूप से मतदान करने और चुनाव के समय शांति व संयम बनाए रखने की अपील की। नेपाल टेलिविजन और रेडियो नेपाल के माध्यम से देशवासियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री कार्की ने कहा कि देश एक बार फिर इतिहास के महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। होली पर्व और चुनाव की तैयारी एक साथ आने को उन्होंने प्रतीकात्मक बताते हुए कहा

कि रंगों का यह त्योहार और लोकतांत्रिक प्रक्रिया, दोनों ही राष्ट्रीय एकता और भविष्य के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। जेन-जी आंदोलन के बाद की कठिन परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उस समय देश अस्थिरता, भय और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा था। उन्होंने कहा कि हिंसक स्थिति से देश को शांतिपूर्ण मार्ग पर लाना और संविधान के रास्ते पर लौटाना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी थी, जिसमें जनता के संयम और सहयोग से सफलता मिली। प्रधानमंत्री कार्की ने मतदाताओं से आग्रह किया कि मतदान को केवल औपचारिक प्रक्रिया न मानें, बल्कि इसे अपने और आने वाली पीढ़ी के भविष्य का निर्णय समझें। उन्होंने कहा कि मार्च 5 को अन्य सभी कार्य छोड़कर मतदान केंद्र पहुंचना नागरिक कर्तव्य है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों और समर्थकों से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, आपसी सम्मान और मौन अवधि के पूर्ण पालन का अनुरोध किया। साथ ही निर्वाचन आयोग, सुरक्षा निकायों और सरकारी कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी निष्पक्षता से चुनाव स्वच्छ, स्वतंत्र और भयमुक्त होगा। बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। होलिका पर्व की शुभकामनाएं देते हुए प्रधानमंत्री ने संयम के साथ होली मनाने की अपील की और कहा कि किसी की इच्छा के विरुद्ध रंग न लगाया जाए। विदेश नीति के संदर्भ में प्रधानमंत्री ने मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव, विशेषकर ईरान क्षेत्र की स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वहां रह रहे नेपाली नागरिकों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है और सभी नेपाली मिशनों को सतर्क किया गया है। आखिरी में प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने इस कठिन समय में देश का नेतृत्व करना मातृभूमि के प्रति अपना दायित्व समझा है। उन्होंने नागरिकों से होली की खुशियां साझा करने और आगामी चुनाव को शांतिपूर्ण व ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया।

संक्षिप्त समाचार

होलिका दहन से रंग खेलने तक धूप दिखाएगी तेवर, 32 डिग्री तक पहुंचेगा तापमान

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में होली के दौरान मौसम शुष्क रहेगा और तापमान 32 डिग्री तक जाएगा। तेज हवाओं के कारण किसानों को खेतों में ज्यादा पानी न भरने की सलाह दी गई है। कानपुर में होलिका दहन से लेकर रंग खेलने तक मौसम शुष्क रहेगा। दिन में कड़ी धूप से गर्मी भी महसूस होगी। हवा 12 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चल सकती है। तापमान 32 डिग्री तक जा सकता है। रात का पारा 15 से 16 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। सोमवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम 15 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। अगले तीन दिन बारिश की संभावना नहीं हैं। उन्होंने किसानों को सुझाव दिया है कि वे अपने खेतों में नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई जरूर करें। ज्यादा पानी से तेज हवा के कारण फसलें गिरने का डर है।

नाला निर्माण धीमा होने से व्यापारियों में आक्रोश

मेरठ, एजेंसी। वार्ड-89 गुलजार इब्राहिम मोहल्ले में आरसीसी नाले का निर्माण कार्य धीमी गति से चल रहा है। इस पर व्यापारियों ने नाराजगी जताते हुए हंगामा किया। व्यापारियों ने नगर निगम की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए व्यापारियों ने नगर आयुक्त सौरभ गंगवार को ज्ञापन दिया है। व्यापारियों का कहना कि ट्यूबवेल चौराहे से भूमिया के पुल तक का मार्ग व्यस्त रहता है। वर्तमान में नाले की खुदाई कर मिट्टी, रोड़ी-डस्ट सड़क पर डाल दिए गए हैं। कई दुकानों के सामने बने स्लैब भी तोड़ दिए गए हैं, जिससे लगातार जाम की स्थिति बनी हुई है। रमजान माह में मस्जिदों में नमाज के समय भारी भीड़ रहती है। होली और रमजान के चलते बाजारों में आवाजाही बढ़ गई है। धीमे निर्माण कार्य से व्यापार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। कई दुकानदारों को अपने प्रतिष्ठान तक बंद करने पड़ते हैं। आरोप कि अवर अभियंता, सहायक अभियंता, सुपरवाइजर और ठेकेदार की मिलीभगत के कारण कार्य जानबूझकर धीमा चल रहा है। व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि निगम ने जल्द समस्या का समाधान नहीं किया तो क्षेत्र के लोग भूमिया के पुल पर धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। ज्ञापन देने वालों में पूर्व पार्षद अफजाल सैफी, जीशान ख्वाजा, मोहम्मद आमिर, मोहम्मद आबिद समेत कई व्यापारी शामिल रहे।

हंगाई की चकाचौंध में खो गईं पीतल की पिचकारियां

हाथरस, एजेंसी। होली का त्योहार आते ही बाजार रंग-बिरंगी पिचकारियों से सज गए हैं, लेकिन परंपरागत पीतल की पिचकारियां और फौव्वारे बाजारों से लगभग गायब हो चुके हैं। करीब दो दशक पहले तक जिले में पीतल के उत्पाद बनाने की समृद्ध परंपरा के कारण होली पर पीतल की पिचकारियों से रंग खेलने का विशेष परंपरा थी।पीतल के बर्तन के पुराने कारोबारी बताते हैं कि पीतल के फौव्वारों में खुशबूदार रंग और इत्र मिलाकर छिड़काव किया जाता था, जिससे होली का आनंद और भी बढ़ जाता था। उस समय इन पिचकारियों को संभालकर वर्षों तक इस्तेमाल किया जाता था और इन्हें शान की वस्तु माना जाता था। वर्तमान में बाजारों में प्लास्टिक से बनी आधुनिक पिचकारियों का बोलबाला है। हल्की, सस्ती और आकर्षक डिजाइन वाली इन पिचकारियों ने पारंपरिक उत्पादों की जगह ले ली है। बच्चों को लुभाने के लिए इन पर लोकप्रिय किरदारों के स्टीकर लगाए जा रहे हैं, जिनमें डोरेमोन, स्पाइडर मैन, छोटा भीम आदि जैसे पात्र प्रमुख हैं। स्थानीय कारीगरों का कहना है कि बदलते समय और बढ़ती लागत के कारण पीतल की पिचकारियों का निर्माण लगभग बंद हो गया है।

धनबाद-गोरखपुर और रक्सौल-उधना के बीच चलेगी होली स्पेशल

गोरखपुर, एजेंसी। गोरखपुर। होली के मौके पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन ने दो साप्ताहिक होली स्पेशल ट्रेनों के संचालन का निर्णय लिया है। इन ट्रेनों में अग्रिम आरक्षण कर यात्री त्योहार के दौरान अपनी यात्रा को सुगम बना सकते हैं। 03677 धनबाद-गोरखपुर साप्ताहिक होली स्पेशल नौ मार्च से 30 मार्च तक प्रत्येक सोमवार को धनबाद से रात 12:30 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन शाम 4:15 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। वापसी में 03678 गोरखपुर-धनबाद साप्ताहिक होली स्पेशल नौ मार्च से 30 मार्च तक प्रत्येक सोमवार को गोरखपुर से शाम 7:50 बजे रवाना होगी और अगले दिन दोपहर 1:00 बजे धनबाद पहुंचेगी। इसके अलावा 05559 रक्सौल-उधना साप्ताहिक होली स्पेशल 28 फरवरी से 28 मार्च तक प्रत्येक शनिवार को रक्सौल से सुबह 5:30 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन गोरखपुर होते हुए अगले दिन दोपहर 1:05 बजे उधना पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 05560 उधना-रक्सौल साप्ताहिक होली स्पेशल एक मार्च से 29 मार्च तक प्रत्येक रविवार को उधना से अपराह्न 3:35 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन अगले दिन गोरखपुर से शाम 7:05 बजे छूटकर रात 12:15 बजे रक्सौल पहुंचेगी।

ऑडियो वायरल होने के बाद सीओ बोलीं, पत्रकारों को नहीं दी धमकी

मेरठ, एजेंसी। ब्रह्मपुरी क्षेत्र की क्षेत्राधिकारी सौम्या अस्थाना का एक ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इसमें वह अपने अधीनस्थों को पत्रकारों के थाने में वीडियोग्राफी करने पर प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए निर्देशित कर रही हैं। ऑडियो वायरल होने के बाद सीओ ने सफाई दी है कि उन्होंने पत्रकारों पर प्राथमिकी के लिए नहीं कहा। उन्होंने उन लोगों पर कार्रवाई के लिए कहा था जो पत्रकार नहीं हैं और थाने में आने वाली महिलाओं की वीडियोग्राफी करते हैं। सीओ का 26 सेकंड का ऑडियो वायरल हुआ है। इसमें वह कह रही हैं कि सभी थाने ध्यान दें- मेरे किसी भी थाने के अंदर किसी भी पत्रकार द्वारा वीडियोग्राफी की जाती है तो तत्काल मुकदमा लिखवाएं। थाना टीपीनगर में कोई प्रकरण चल रहा है। मैंने उसको बता दिया है कि थाने के गेट पर जो पुलिसकर्मी खड़े होते हैं, उन्हें भी ब्रीफ कर दिया जाए। थाने में किसी पत्रकार द्वारा वीडियोग्राफी नहीं की जाएगी। अगर ऐसा होता है तो मैं डे अफसर और थानेदार से भी बात करूंगी। वायरल ऑडियो में वह पत्रकारों पर प्राथमिकी दर्ज कराने की बात कहते हुए सुनाई दे रही हैं।

खाड़ी देशों के तनाव का प्रदेश पर पड़ा सीधा असर

रुक गया चमड़ा, रेडीमेड और मीट सहित इन चीजों का निर्यात

लखनऊ, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर अब उत्तर प्रदेश के निर्यातकों पर भी दिखने लगा है। राज्य का सालाना कुल निर्यात लगभग 1.86 लाख करोड़ तक पहुंच चुका है, जिसमें खाड़ी देशों की हिस्सेदारी सीमित लेकिन अहम है। निर्यातकों का कहना है कि यदि क्षेत्रीय संघर्ष लंबा खिंचता है तो लॉजिस्टिक लागत, ऑर्डर और भुगतान चक्र प्रभावित हो सकते हैं। उत्तर प्रदेश से सबसे अधिक निर्यात संयुक्त अरब अमीरात को होता है। उपलब्ध व्यापार आंकड़ों के अनुसार राज्य से यूएई को सालाना लगभग 5,000 से 6,000 करोड़ के उत्पाद भेजे जाते हैं। यह यूपी के कुल निर्यात का लगभग 5-6 प्रतिशत हिस्सा है।

चर्म निर्यात परिषद के पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष जावेद इकबाल के मुताबिक यूएई को मुख्य रूप से रेडीमेड गारमेंट्स, चमड़ा और लेदर उत्पाद (कानपुर क्लस्टर), बासमती चावल, हैंडीक्राफ्ट (मुरादाबाद पीतल उत्पाद) और इलेक्ट्रॉनिक सामान निर्यात किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त सऊदी अरब, कतर, ओमान, कुवैत और बहरीन को भी यूपी से कृषि उत्पाद, मीट उत्पाद, इंजीनियरिंग सामान और निर्माण सामग्री भेजी जाती है।

इन सेक्टरों पर ज्यादा खतरा

लेदर उद्योग (कानपुर-उन्नाव) : खाड़ी बाजार पर निर्भरता के कारण ऑर्डर घटने का जोखिम।

कृषि व खाद्य प्रसंस्करण : भुगतान चक्र में देरी का असर।

एमएसएमई निर्यातक : शिपिंग बीमा और मालभाड़ा बढ़ने से मार्जिन घट सकता है।

तेल महंगा तो लागत बढ़ेगी

कंटेनर कारोबारी मोहम्मद शिराज के मुताबिक कच्चे तेल की कीमतें और बढ़ीं हैं तो फैक्ट्री संचालन लागत, माल ढुलाई खर्च, कंटेनर शिपिंग चार्ज, निर्यात प्रतिस्पर्धा पर पड़ेगा। बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यातकों पर असर सीमित रह सकता है, लेकिन छोटे और मध्यम उद्योगों पर दबाव अधिक रहेगा। उन्होंने कहा कि यदि क्षेत्रीय हालात जल्दी सामान्य हो जाते हैं तो निर्यात पर असर सीमित रह सकता है। लेकिन लंबा तनाव रहने पर ऑर्डर में अस्थायी गिरावट, भुगतान में देरी, लॉजिस्टिक बाधाएं, निर्यात लागत में वृद्धि हो सकती है।

फेडरेशन आफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गनाइजेशन के एके श्रीवास्तव ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव यदि लंबा खिंचता है तो उत्तर प्रदेश के निर्यात पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह का असर पड़ सकता है। आशंका है कि खाड़ी क्षेत्र में अस्थिरता बनी रहने पर यूपी के कुल निर्यात में 3 से 8 प्रतिशत तक अस्थायी गिरावट आ सकती है।

संभावित आर्थिक असर

1- तनाव 1-2 महीने में सामान्य हुआ तो शिपिंग लागत 5-7 प्रतिशत बढ़ेगी। ऑर्डर अस्थायी रूप से धीमे होने पर निर्यात पर 2-3 प्रतिशत प्रभाव।

2- तनाव 6 माह तक जारी रहा तो समुद्री बीमा व मालभाड़ा 10-20 प्रतिशत महंगा होगा। छोटे निर्यातकों की प्रतिस्पर्धा घटेगी और निर्यात में 5-8 प्रतिशत तक कमी आ सकती है। भुगतान चक्र 30-60 दिन तक खिंच सकता है।

3- तेल 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर हुआ तो परिवहन लागत बढ़ने से उत्पादन लागत 4-6 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। एमएसएमई सेक्टर पर गंभीर दबाव होगा।

गोसेवा में रमे सीएम योगी: गोवंश को खिलाया गुड़-रोटी, नामों से पुकारकर गायों-गोवंश को खूब दुलारा

गोरखपुर, एजेंसी। गोरखनाथ मंदिर प्रवास पर मंगलवार प्रातः काल सीएम योगी की दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर शीश झुकाकर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं तो गोसेवा उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा रहती है।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मंगलवार सुबह जनता दर्शन लगाकर जनसेवा करने के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंदिर की गोशाला में जाकर गोसेवा में भी रमे रहे। उन्होंने नामों से पुकारकर, स्नेहिल थपकी देकर गायों-गोवंश को खूब दुलारा। गुड़-रोटी खिलाया और गोशाला के कार्यकर्ताओं को गोवंश के समुचित देखभाल के निर्देश दिए।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास पर मंगलवार प्रातः काल सीएम योगी की दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर शीश झुकाकर आशीर्वाद लिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं तो गोसेवा उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा रहती है। मंगलवार सुबह भी वह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए गोशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोशाला में सीएम योगी ने चारों तरफ भ्रमण करते हुए श्यामा, गौरी, गंगा, भोला आदि नामों से गोवंश को पुकारा। उनकी आवाज इन गोवंश के लिए जानी पहचानी है। प्यार भरी पुकार सुनते ही कई गोवंश दौड़ते-मचलते हुए उनके पास आ गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी के माथे पर हाथ फेरा, उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़-रोटी खिलाया। इसी क्रम में उन्होंने भोले नामक एक विशाल नंदी को स्नेह की थपकी देते हुए गुड़-रोटी खिलाया।

उसके शरीर पर लगी धूल-मिट्टी को पहले अपने हाथों से साफ किया और फिर गोशाला कार्यकर्ता को निर्देशित किया कि भोले के शरीर को सूखे कपड़े से साफ कर दिया जाए। मंदिर की गोशाला में सीएम योगी ने मोर पर भी स्नेह बरसाया और उसे अपने हाथों से रोटी खिलाया।

सपा की निगाह प्रदेश के दलित वोटों पर, 15 मार्च को पार्टी सभी जिलों में मनाएगी कांशीराम जयंती

लखनऊ, एजेंसी। सपा ने 15 मार्च को सभी जिलों में कांशीराम जयंती मनाने का फैसला किया है। पार्टी का प्रयास है कि जिलास्तर पर होने वाले इन कार्यक्रमों में दलित समाज के लोगों की ज्यादा से ज्यादा भीड़ जुटाई जाए। आयोजनों में बसपा संस्थापक कांशीराम और सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बीच रहे रिश्तों की भी याद दिलाई जाएगी। इस संबंध में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सभी जिला व महानगर पदाधिकारियों को कांशीराम जयंती पर कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।

जेएनयू के सेवानिवृत्त शिक्षक और समकालीन राजनीति के जानकार प्रो. रवि कहते हैं कि कभी यूपी में मुलायम-कांशीराम फैक्टर बहुत प्रभावी था। नब्बे के दशक में इस फैक्टर से दलितों और पिछड़ों की सामाजिक व राजनीतिक हैसियत में बड़ा बदलाव देखने को मिला।

अब दलित-पिछड़ों के गठजोड़ के इसी फैक्टर की बदौलत सपा ने यूपी की राजनीति में दखल बढ़ाने का निर्णय लिया है। सपा नेतृत्व का मानना है कि दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक (पीडीए) का फॉर्मूला उन्हें सत्ता तक पहुंचा सकता है। यही वजह है कि कांशीराम जयंती को सपा पीडीए दिवस के रूप में मनाएगी।

इसके तहत जिलों में होने वाले कार्यक्रमों के जरिये सपा याद दिलाएगी कि कांशीराम ने मंडल रिपोर्ट के समर्थन में राष्ट्रव्यापी आंदोलन खड़ा किया था। 1992 में सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के साथ समझौता कर बहुजन समाज बनाओ अभियान को तेज किया था। कांशीराम ने ही दिसंबर 1993 में मुलायम सिंह की सरकार बनवाई।

सराफ की दुकान पर की फायरिंग, फैली दहशत

हाथरस, एजेंसी। लोहट बाजार में रविवार देर शाम बाइक सवार दो बदमाशों ने व्यापारी की दुकान पर दो बार फायरिंग की। एक गोली चलाने के बाद दुकान के सामने खड़े होकर तमंचा दोबारा लोड किया और दूसरा फायर झोंका। इससे इलाके में दहशत फैल गई। घटना के बाद काफी संख्या में व्यापारी एकत्रित हो गए। कोतवाली सदर पहुंचकर सराफा व्यापारियों ने आक्रोश जाहिर किया। सीओ सिटी ने कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया, तब कहीं जाकर व्यापारी शांत हुए। आगरा रोड स्थित अग्रसेन विहार कॉलोनी के रहने वाले सौरभ अग्रवाल सराफ हैं और लोहट बाजार में उनकी दुकान है।

रविवार को सराफा व लोहट बाजार बंद था। शाम 7:38 अपाचे बाइक सवार दो युवक कमला बाजार की ओर से लोहट बाजार में पान वाले की दुकान से बाइक घुमाकर सौरभ की दुकान के सामने खड़े हो गए। दोनों युवकों के चेहरे सफेद स्वाफी से ढंके हुए थे। बाइक चलाने वाले युवक ने अपनी जेब से तमंचा निकाला और दुकान के शटर पर गोली चला दी। इसके बाद इत्मीनान से दोनों दुकान के बाहर खड़े रहे।

फिर युवक ने खाली खोल तमंचे से निकाला और दूसरा राउंड लोड किया। इसके बाद तमंचा पीछे बैठे युवक को दे दिया। बीच सड़क पर बाइक आड़ी करने के बाद पीछे वाले युवक से सामने फायर करने के लिए बोला। युवक ने दुकान पर फायर झोंक दिया, जो कि एसी से ऊपर दीवार में लगा। इसके बाद दोनो बाइक लेकर सादाबाद गेट की तरफ भाग निकले।

घटना के समय पान की दुकान खुली हुई थी तथा वहां दो ग्राहक मौजूद थे। 55 सेकंड में बदमाशों ने इस घटना को अंजाम दिया। इस दौरान वहां से राहगीर भी निकल रहे थे। पर डर के कारण कोई नहीं बोला।

फायरिंग करने वाले दोनों युवकों ने ही लोहट बाजार में एक दिन पहले 28 फरवरी को स्कूटी सवार युवक से तमंचे के बल पर नाली से चाभी निकलवाई थी। लोहट बाजार में सौरभ की दुकान के सामने ही कुंवरपुर के लाखन सिंह के सिर पर दोनों युवकों ने तमंचा तान दिया था।

रश्मि के लगातार दो गोल तीन राष्ट्रीय मुकाबले खेल चुकीं तनु की टीम पर पड़े भारी

वाराणसी , एजेंसी। विवेक एकेडमी की ओर से आयोजित जिलास्तरीय बालिका हॉकी सोमवार शाम को संपन्न हुई। फाइनल में तीन राष्ट्रीय मुकाबले खेल चुकीं तनु ने पहले हाफ के पांचवें मिनट में गोल कर लालबहादुर शास्त्री परमानंदपुर की टीम को बढ़त दिलाई लेकिन दूसरे हाफ के अंतिम तीन मिनट में रश्मि ने लगातार दो गोल कर विवेक एकेडमी हरहुआ की टीम को ट्रॉफी दिला दी।

आयोजन सचिव ओलंपियन राहुल सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता का फाइनल कांटे का हुआ। 52 मिनट तक मैच में एक भी गोल नहीं हुआ। मैच शुरू होते ही लाल बहादुर शास्त्री परमानंदपुर की फॉर्वर्ड खिलाड़ी तनु ने पहले हाफ के 5वें मिनट में गोल कर अपनी क्षमता दिखाई। तीन राष्ट्रीय मुकाबलों का अनुभव काम आया और टीम ने 48 प्रतिशत बॉल अपने पास रखा लेकिन रक्षापंक्ति की खामियां विरोधी टीम को लीड दे दिया।

पहले हाफ में एक गोल बढ़त हासिल करने वाली लालबहादुर शास्त्री क्लब की टीम दूसरे हाफ में बिखरती गई। विवेक एकेडमी की फॉर्वर्ड खिलाड़ी मधु ने वर्षा और अंशिका की मदद से तीनों ने एक एक गोल किया। जबकि खेल समाप्त होने सात मिनट पहले लेफ्ट फार्वर्ड खिलाड़ी रश्मि ने लगातार दो गोल कर हरहुआ की टीम को अजेय बना दिया। महिला वर्ग के फाइनल में विवेक अकेडमी हरहुआ ने लालबहादुर शास्त्री परमानंदपुर की टीम को 6-1 के स्कोर से हराया।

बालक वर्ग का फाइनल आज

जिलास्तरीय हॉकी में बालक वर्ग का फाइनल मंगलवार को शिवपुर मिनी स्टेडियम में खेली जाएगी। बालक वर्ग का सेमीफाइनल लालपुर और विवेक अकेडमी हरहुआ की टीम के बीच खेला गया। इसमें विवेक अकेडमी ने 4-3 से जीत हासिल की। विवेक अकेडमी की ओर से अक्षय ने 2, गोलू और रोहित ने 1-1 गोल किया, जबकि लालपुर की टीम के अंकित, पवन और अश्वनी ने 1-1 गोल किया। इस जीत के साथ विवेक अकेडमी हरहुआ की टीम फाइनल में पहुंच गई है। बालक वर्ग की ट्रॉफी के लिए हरहुआ की टीम का मुकाबला विवेक अकेडमी शिवपुर की टीम से बुधवार को होगा।

निरंकार निर्दोष है, बहन लक्ष्मी ने बड़े भाई पर ही किए सवाल, बहराइच में चार हत्या के मामले में नया मोड़

बहराइच , एजेंसी। बहराइच में संपत्ति विवाद में एक युवक ने कुल्हाड़ी से हमला कर माता-पिता, दादी और बहन की हत्या कर दी। चीख-पुकार सुनकर पहुंचे बड़े भाई ने विरोध किया, तो उसपर भी कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इसके बाद आरोपी ने ईंट से वार कर खुद को घायल कर लिया। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

यूपी के बहराइच जिले के रामनगर गांव में चार हत्याओं की खबर से सोमवार सुबह पूरा जिला सन्न रह गया। गांव से लेकर शहर तक हर किसी की जुबान पर एक ही सवाल था, आखिर एक साथ चार लोगों की हत्या कैसे और क्यों हुई? मौके पर पहुंची पुलिस प्रारंभिक जानकारी के आधार पर जांच में जुटी रही। मृतक के बड़े पुत्र गुरुदेव ने छोटे भाई निरंकार पर हत्याओं का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है।

हत्याकांड में उस समय नया मोड़ आ गया, जब दोपहर बाद बदलूराम की पुत्री लक्ष्मी रोते-बिलखते पोस्टमार्टम हाउस पहुंची। लक्ष्मी ने कहा कि उसका भाई निरंकार स्वभाव से सीधा है और वह इस तरह की घटना को अंजाम नहीं दे सकता। लक्ष्मी ने मेडिकल कॉलेज में भर्ती बड़े भाई गुरुदेव पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह अपने पुत्र को पूरी संपत्ति दिलाना चाहता है।

इसी बात को लेकर परिवार में अक्सर विवाद होता था। उसने यह भी आरोप लगाया कि गुरुदेव की गांव में भी लोगों से अधिक बनती नहीं थी। उसके आरोप से पुलिस की पूरी थ्योरी ही बदलती नजर आई। ऐसे में अब तक छोटे भाई पर लगे आरोपों के बीच बहन के बयान ने पुलिस जांच को नया आयाम दे दिया है।

अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) ने कहा कि पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंची मृतक की पुत्री का बयान महत्वपूर्ण है। उसे भी जांच में शामिल किया गया है। सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। शीघ्र ही चारों हत्याओं की गुत्थी सुलझा ली जाएगी। फिलहाल पूरे गांव में दहशत और असमंजस की स्थिति बनी हुई है। पुलिस का कहना है कि साक्ष्यों और वैज्ञानिक जांच के आधार पर ही वास्तविक आरोपी की पुष्टि की जाएगी।

बहुत सीधा है निरंकार, कैसे कर सकता है घटना? : पूर्व प्रधान फौजदार वर्मा ने बताया कि सोमवार सुबह जैसे ही घटना की जानकारी मिली, उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ। वह तत्काल मौके पर पहुंचे, लेकिन वहां का दृश्य देखकर उनका दिल दहल गया। आंगन में लाशें बिखरी पड़ी थीं। उन्होंने कहा कि बदलूराम ने अपनी खेत और अन्य संपत्तियां पहले ही दोनों बेटों में बांट दी थीं।

उनकी जानकारी में परिवार में किसी प्रकार का कोई विवाद नहीं था। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई पारिवारिक मामला भीतर ही भीतर चल रहा हो तो उसकी उन्हें जानकारी नहीं है। पूर्व प्रधान ने कहा कि निरंकार पर हत्या का आरोप लगाया जा रहा है, लेकिन वह स्वभाव से बहुत सीधा और शांत लड़का है। ऐसे में वह इस तरह की घटना कैसे कर सकता है, यह समझ से परे है।

संपत्ति विवाद में माता-पिता, दादी, बहन की हत्या की : बहराइच के रुपईडीहा के रामनगर गांव में रविवार रात करीब 1:30 बजे संपत्ति विवाद में युवक ने कुल्हाड़ी से हमला कर माता-पिता, दादी और बहन की हत्या कर दी। चीख-पुकार सुनकर पहुंचे बड़े भाई ने विरोध किया, तो उसपर भी कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इसके बाद आरोपी ने ईंट से वार कर खुद को घायल कर लिया। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

पुलिस के अनुसार, बदलूराम ने कुछ दिनों पहले 12 बिस्वा जमीन बेची थी। पैसे को लेकर परिवार में तनाव चल रहा था। रविवार रात करीब 12 बजे परिवार के सदस्य खाना खाकर सोने जा रहे थे। इसी दौरान बेची गई जमीन और गहनों का पैसा नहीं देने की बात पर छोटे बेटे निरंकार ने विवाद शुरू कर दिया। लगभग एक घंटे तक कहासुनी चलती रही। बड़े बेटे गुरुदेव के अनुसार, निरंकार और परिजनों के बीच हो रही कहासुनी को रोज का विवाद समझकर वह अपने कमरे में चला गया। कुछ देर बाद चीख-पुकार सुनाई दी। वह अपने बेटे के साथ कमरे से बाहर निकला तो आंगन में दादी शीतला देवी (82), पिता बदलूराम (62), मां संजू देवी (60) और बहन पार्वती (35) लहूलुहान पड़ी थीं।

कुल्हाड़ी से किया वार : शोर मचाने पर निरंकार ने उसपर भी कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। किसी तरह गुरुदेव ने कुल्हाड़ी पकड़कर झटका दिया, जिससे दोनों गिर पड़े। इस दौरान गुरुदेव का सिर दीवार से टकरा गया और वह घायल हो गया। गुरुदेव के अनुसार, निरंकार ने पास में पड़ी ईंट से अपने ही सिर पर कई वार कर खुद को भी घायल कर लिया। तब तक आसपास के लोग जुट गए।

पुलिस को सूचना दी गई। चौकी प्रभारी बाबागंज शिवेश कुमार शुक्ला पुलिस टीम के साथ पहुंचे। घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चरदा भेजा गया। वहां चिकित्सकों ने शीतला देवी, बदलूराम, संजू देवी और पार्वती को मृत घोषित कर दिया।हमले में गंभीर रूप से घायल गुरुदेव (33) और निरंकार (27) को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

तनिष्क बागची ने हिंदी म्यूजिक इंडस्ट्री को बताया 'अनफेयर सिस्टम'

मशहूर म्यूजिक कंपोजर तनिष्क बागची ने हाल ही में हिंदी म्यूजिक इंडस्ट्री के 'अनफेयर' सिस्टम के बारे में बातचीत की। उन्होंने बताया कि साल 2025 में आया उनका गाना 'सैयारा' उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ।

काम का सही हक नहीं मिलता

फरीदून शहरयार को दिए इंटरव्यू में तनीष्क ने कहा कि भारत में म्यूजिशियंस को उनके काम का सही हक नहीं मिलता। उन्होंने समझाया कि पश्चिमी देशों में एक गाना बनाने में शामिल हर व्यक्ति को, चाहे वह साउंड इंजीनियर हो या सॉन्ग राइटर, सभी को रॉयल्टी मिलती है। लेकिन भारत में ज्यादातर कलाकारों को सिर्फ एक बार पेमेंट मिलती है। गाना कितना भी बड़ा हिट हो जाए, बाद में कमाई नहीं होती। उन्होंने यह भी कहा कि आज के समय में पीआर बहुत जरूरी हो गया है। अपने काम को प्रमोट करने के लिए पब्लिक रिलेशन जरूरी है, लेकिन हर कलाकार इसे अफॉर्ड नहीं कर सकता। उनके मुताबिक, इंडस्ट्री में ऐसा कोई मजबूत सिस्टम नहीं है जो कलाकारों के जुनून और मेहनत को लंबे समय तक सहारा दे सके।

लोग सोचते हैं कि मेरे पास प्राइवेट जेट होगा

तनीष्क ने बताया कि उनके गानों को सिर्फ यूट्यूब पर ही करीब 37 बिलियन व्यूज मिल चुके हैं, और स्ट्रीमिंग नंबर भी लगभग उतने ही होंगे। उन्होंने कहा, 'अगर मैं ये नंबर विदेश में बताऊं तो लोग सोचते हैं कि मेरे पास प्राइवेट जेट होगा। लेकिन यहां सिस्टम अलग है।' हालांकि उन्होंने माना कि इंडियन परफॉर्मिंग राइट सोसाइटी की वजह से अब थोड़ा सुधार आया है। उन्हें उम्मीद है कि आने वाले समय में म्यूजिशियंस और इंस्ट्रूमेंटलिस्ट्स को भी उनका सही हक मिलेगा। फेम के बारे में बात करते हुए तनीष्क ने कहा, 'आपने एक फिल्म 'सैयारा' में काम किया और फिर सब खत्म। आपको फिर से शुरुआत करनी पड़ती है। कुछ महीनों की शोहरत मिलती है, लेकिन लोग जल्दी आगे बढ़ जाते हैं। आप ये नहीं सोचते कि पेमेंट कब मिलेगी। आप बस काम करते रहते हैं।

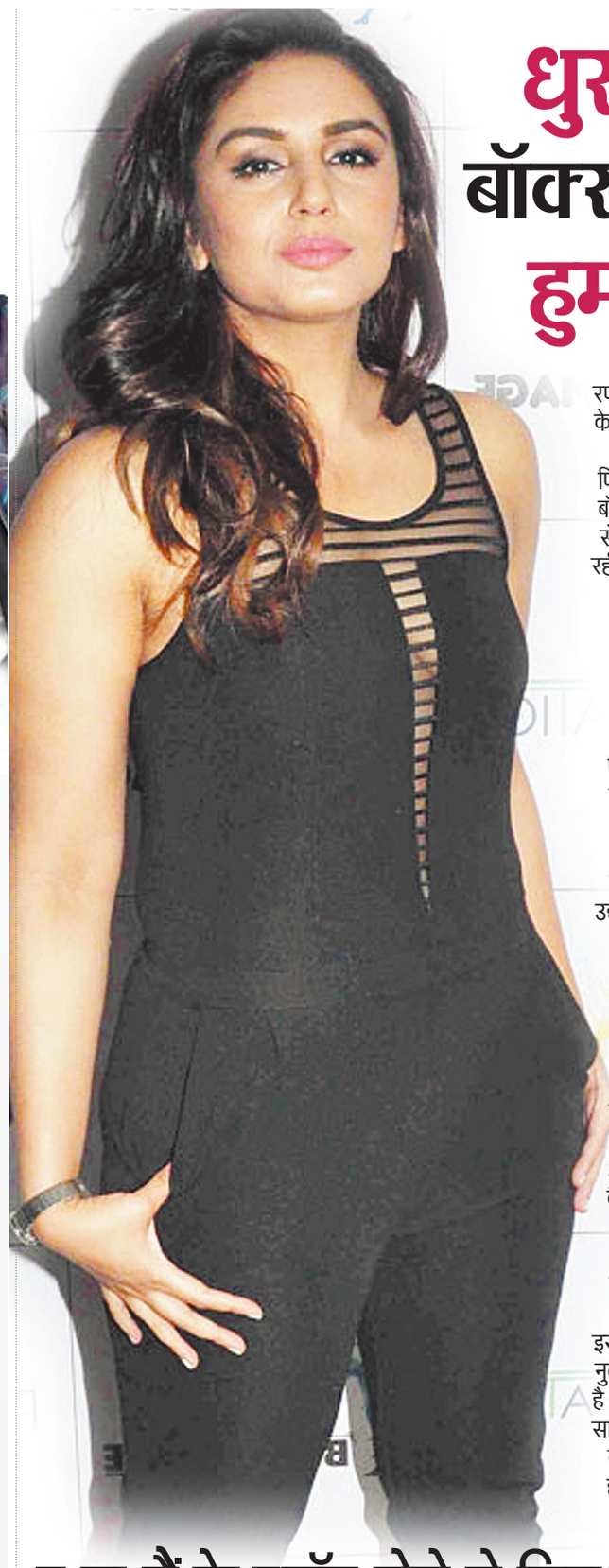

धुरंधर 2 और टॉक्सिक के बॉक्स ऑफिस टकराव को लेकर हुमा कुरैशी ने दी प्रतिक्रिया

रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' ईद के मौके पर 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह फिल्म बहुत चर्चित है, लेकिन इसका मुकाबला बॉक्स ऑफिस पर यश की फिल्म 'टॉक्सिक' से होने वाला है, जो ठीक उसी दिन रिलीज हो रही है। दोनों फिल्मों की आमने-सामने टक्कर से साल का सबसे बड़ा बॉक्स ऑफिस मुकाबला होने वाला है।

हुमा कुरैशी की राय

हुमा कुरैशी 'टॉक्सिक' में एलिजाबेथ के किरदार में नजर आएंगी। यह उनकी पहली पैन-इंडिया फिल्म है। हुमा ने वैरायटी इंडिया को दिए इंटरव्यू में कहा कि 'टॉक्सिक' और 'धुरंधर 2' की टक्कर फिल्म इंडस्ट्री और दर्शकों, दोनों के लिए फायदेमंद है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह भारतीय फिल्म उद्योग के लिए जीत है और दर्शकों के लिए भी बहुत अच्छा होगा। यह सबके लिए फायदेमंद है। दर्शकों के लिए यह शानदार समय होगा और सभी फिल्मों को अच्छा मौका मिलेगा।'

संजय गुप्ता की राय

फिल्म निर्माता संजय गुप्ता ने भी 'टॉक्सिक' और 'धुरंधर 2' पर अपनी राय दी। उन्होंने वैरायटी इंडिया से बात करते हुए कहा कि वे दोनों फिल्में देखेंगे, लेकिन दोनों एक साथ रिलीज हो रही हैं। इससे दोनों फिल्मों का बिजनेस एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाएगा। उन्होंने कहा, 'यह वैसा ही है जैसे मेरी फिल्म 'काबिल' और 'रईस' एक साथ रिलीज हुई थीं। अगर दोनों अलग-अलग तारीखों पर आतीं तो दोनों को ज्यादा फायदा होता।' संजय ने यह भी कहा कि यह टक्कर अनावश्यक है, लेकिन फिल्ममेकर्स के पास शायद कोई वजह होगी। दोनों फिल्मों से अच्छा प्रदर्शन की उम्मीद है, लेकिन क्लैश की वजह से कोई भी अपनी पूरी क्षमता के अनुसार कमाई नहीं कर पाएगी।

फिल्म 'धुरंधर 2'

'धुरंधर: द रिवेंज' का निर्देशन आदित्य धर ने किया है। इसे ज्योति देशपांडे, आदित्य धर और लोकेश धर ने जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज के बैनर तले बनाया है। यह 'धुरंधर' का सीक्वल है। इसमें रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। रणवीर के अलावा, सारा अर्जुन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त और राकेश बेदी भी अपनी अहम भूमिका दोहराएंगे।

फिल्म 'टॉक्सिक'

'टॉक्सिक' को यश और गीतू मोहनदास ने लिखा है और निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है। यह फिल्म कन्नड़ और अंग्रेजी में शूट हुई है। इसे कई भारतीय भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। इसमें कियारा आडवाणी, नयनतारा और तारा सुतारिया जैसे कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

तू या मैं के फ्लॉप होने से निराश हुए आदर्श गौरव धुरंधर को लेकर कही ये बात

अभिनेता आदर्श गौरव हाल ही में फिल्म 'तू या मैं' में नजर आए थे। फिल्म में आदर्श के अभिनय की जमकर प्रशंसा भी हुई। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो सकी। अब फिल्म के कलेक्शन पर आदर्श ने निराशा व्यक्त की है। साथ ही उन्होंने लोगों से नए कलाकारों की ऐसी प्रयोगात्मक फिल्मों को एक मौका देने की भी अपील की।

दर्शक सिर्फ बड़े बजट की फिल्में देखना चाहते हैं

जूम के साथ बातचीत में आदर्श गौरव ने कहा कि महामारी के बाद लोग सिर्फ बड़े बजट की फिल्में देखना चाहते हैं। वे एनिमल, बॉर्डर 2 या धुरंधर जैसी फिल्में देखना चाहते हैं। साथ ही मुझे लगता है कि 'तू या मैं' जैसी फिल्मों को देखने के लिए लोगों का एक निश्चित संख्या में आना भी जरूरी है। मैं यह नहीं कह रहा कि इन फिल्मों को बेतहाशा कमाई करनी चाहिए, लेकिन अगर ये लगातार घाटे में चलती रहीं, तो इससे निर्माता कहानियों के साथ प्रयोग करने से बचने लगेंगे। फिर आपको सिर्फ बड़े सितारों वाली बड़ी फिल्में ही देखने को मिलेंगी।

नए कलाकार कहां जाएंगे?

फिल्म के प्रदर्शन पर निराशा जताते हुए एक्टर ने कहा कि अगर ऐसा ही रहा तो मुझ जैसे कलाकार कहां जाएंगे? नए कलाकार कहां जाएंगे? ओटीटी प्लेटफॉर्म भी अब इसी तरह की बातों का ध्यान रख रहे हैं। इसलिए मुझे लगता है कि लोग इसे देखने के बाद निराश नहीं होंगे। दरअसल, मुझे लिखने वाले दस में से नौ लोगों ने बताया कि फिल्म के बारे में उनकी पहले से ही एक सोच थी, लेकिन फिल्म देखने के बाद वह बदल गई।

शाहरुख खान की फिल्म से की करियर की शुरुआत

आदर्श गौरव ने अपने करियर की शुरुआत शाहरुख खान की फिल्म 'माय नेम इज खान' से की थी। इस फिल्म में उन्होंने शाहरुख खान के कम उम्र का किरदार निभाया था। लेकिन आदर्श को पहचान 2021 में आई फिल्म 'व्हाइट टाइगर' से मिली। फिल्म में उनके साथ प्रियंका चोपड़ा और राजकुमार राव भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। इश फिल्म में उनके काम को काफी सराहा गया।

परिवार शुरू करने के लिए शादी जरूरी नहीं

डेजी शाह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने शादी को डरावना बताया है और उन्होंने साफ कहा कि उनके लिए परिवार शुरू करने के लिए शादी जरूरी नहीं है। साथ ही मां बनने को लेकर भी उन्होंने बड़ा फैसला लिया है।

आजकल शादी डरावनी लगती है

एक इंटरव्यू में, 'जय हो' की एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने अपने एग्स फ्रीज करवा लिए हैं, ताकि भविष्य में जब भी वे चाहें, वे मां बन सकें। उनका कहना है कि वे अपनी जिंदगी के फैसले अपनी शर्तों पर लेना चाहती हैं। डेजी ने माना कि आजकल रिश्तों से जुड़ी खबरें उन्हें परेशान करती हैं। उन्होंने कहा, 'हर दिन कुछ ना कुछ हो रहा है, कपल्स के ब्रेकअप या वो 'ब्लू इ्रम' जैसे चौंकाने वाले मामले। ये सब बहुत डरावना है।' हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने शादी को लेकर ज्यादा सोचा नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह शादी करेंगी, तो उन्होंने जवाब दिया कि यह फैसला उन्होंने 'ऊपरवाले पर छोड़ दिया है।'

क्या चुनेंगी डेजी...प्यार या पैसा?

इंटरव्यू के दौरान जब उनसे 'प्यार' और 'पैसा' में से एक चुनने को कहा गया, तो 41 साल की एक्ट्रेस ने मुस्कुराते हुए कहा कि उन्हें दोनों चाहिए। उनका मानना है कि रिश्ते में इमोशनल कनेक्शन के साथ-साथ आर्थिक रूप से मजबूत होना भी जरूरी है। वे चाहती हैं कि उनका पार्टनर खुद से आर्थिक रूप से सुरक्षित और स्वतंत्र हो। मदरहुड पर बात करते हुए डेजी ने साफ कहा, 'परिवार शुरू करने के लिए शादी जरूरी नहीं है।' उन्होंने बताया कि उन्होंने एग फ्रीज करवाने का फैसला इसलिए लिया, ताकि वे जब भी चाहें, बच्चे कर सकें। वर्कफ्रंट की बात करें, तो डेजी शाह आखिरी बार वेब सीरीज 'रेड रूम' में नजर आई थी। वे अब पलाश मुच्छल के निर्देशन में बनी फिल्म में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ श्रेयास तलपडे नजर आएंगे।

मोनालिसा ने बताए 'द 50' शो से जुड़े अनुभव

'द 50' शो के पैलेस से बाहर आने के बाद मोनालिसा ने सोशल मीडिया पर लगातार जलवे बिखेरना शुरू कर दिया है। अभिनेत्री लगातार सुर्खियों में बनी हैं और अब उन्होंने खास बातचीत में रियलिटी शो से जुड़े अनुभव शेयर किए हैं और बताया कि उनके लिए सबसे चुनौतीपूर्ण क्या रहा। 'द 50 शो' के अपने सफर को याद करते हुए मोनालिसा ने कहा, 'जब विक्रांत और मुझे 'द 50' शो का प्रस्ताव मिला, तो हम बेहद खुश थे। यह साल का पहला रियलिटी शो था, और हम इसका हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित थे। कुल मिलाकर, यह एक शानदार अनुभव रहा। बेशक, मुझे थोड़ा दुख है कि मैं इतनी जल्दी बाहर हो गई। हालांकि, विक्रांत अभी भी घर में हैं, और इससे मुझे बहुत खुशी है।'' शो को लेकर मोनालिसा ने कहा, 'मैं हमेशा से ही सच्ची रही हूं। मैं बिल्कुल वैसी ही थी जैसी अपने पहले रियलिटी शो में थी। मैं खुद को बेवजह के झगड़ों या बहसों में नहीं डालती। मैं बिना वजह दखल देना पसंद नहीं करती। मेरा इरादा नए दोस्त बनाना, नई टीम बनाना और फिर उसी के अनुसार रणनीति बनाना था। शो में आने से पहले मैंने इन सब बातों के बारे में सोचा था, लेकिन चीजें उस तरह से नहीं हुईं। वहां पहले से ही दो मजबूत टीमें थीं, जिसकी वजह से वहां घुल-मिल पाना मुश्किल हो गया था। फिर भी, मैंने विक्रांत, काका और सैमी के साथ सच्ची दोस्ती बनाई, और यह एक सकारात्मक अनुभव रहा।'

अभिनेत्री ने कहा, 'कई कठिन क्षण थे। जब भी परिस्थितियां तनावपूर्ण हो जाती थीं, वही मेरे लिए सबसे मुश्किल होता था। मैं अक्सर निराश हो जाती थी और सोचती थी कि मैं कहां आ गई हूं। कई बार तो ऐसा लगता था जैसे यह कोई रियलिटी शो नहीं बल्कि कुश्ती का अखाड़ा हो।'

बेबिका द्वारा विक्रांत के साथ हुई बातचीत पर मोनालिसा का कहना है कि हम दोनों को ही एक-दूसरे पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा, 'मैंने वह वीडियो देखा। विक्रांत और मैं अठारह साल से साथ हैं। हम एक-दूसरे को गहराई से समझते हैं और हमारा रिश्ता बहुत मजबूत है। जब मैंने वह वीडियो देखा, तो मुझे आश्चर्य हुआ कि उसने ऐसा क्यों कहा, क्योंकि उसमें कुछ भी अनुचित नहीं था। अगर कुछ अनुचित होता भी, तो विक्रांत ने उसे समझदारी से संभाला। हम दोनों अभिनेता हैं। मैं पुरुष सह-कलाकारों के साथ काम करती हूं और वह महिला सह-कलाकारों के साथ। भरोसा हमेशा से हमारे रिश्ते की नींव रहा है।

आर्य ने निक्की की बोटॉक्स और एलएचबी सर्जरी पर कमेंट किया, इस पर मोनालिसा ने कहा, ''मेरा मानना है कि व्यक्तिगत पसंद का सम्मान किया जाना चाहिए। किसी को भी, चाहे वह पुरुष हो या महिला, उसके रूप-रंग के लिए अपमानित करना उचित नहीं है। आजकल कॉस्मेटिक प्रक्रियाओं को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर बताया जाता है या उनकी आलोचना की जाती है, लेकिन वास्तव में, बहुत से लोग अपने रूप-रंग को निखारने के लिए प्रयास करते हैं। अच्छा दिखने में कुछ भी गलत नहीं है।''

शिवा के शो जीतने के सवाल पर अभिनेत्री ने कहा, ''बिलकुल, क्यों नहीं? शिवा मेहनती है और उसने पहले भी रियलिटी शो में अच्छा प्रदर्शन किया है। उसने यहां भी अच्छा प्रदर्शन किया है। अगर वह जीतता है, तो यह उसके लिए गर्व और सम्मान की जीत होगी। हालांकि, मोनालिसा शो के विजेता के रूप में अपने पति विक्रांत को देखती हैं।''

शो के कॉन्सेप्ट और दर्शकों द्वारा 'द 50 शो' को चिड़ियाघर कहने के सवाल पर उन्होंने कहा, ''मैं इसे चिड़ियाघर नहीं कहूंगी। हां, अव्यवस्था तो है, लेकिन यह इसके स्वरूप का हिस्सा है। शो नए कॉन्सेप्ट के साथ आया, जिसमें पचास हस्तियां, पचास प्रतिभाशाली लोग, और पचास अलग-अलग दृष्टिकोण थे। इतने सारे सशक्त व्यक्तित्वों को एक मंच पर देखना वाकई रोचक है।'' मोनालिसा ने शो के प्रतिभागियों पर कहा, ''कई बार प्रतियोगियों का व्यवहार अनुचित रहा। उदाहरण के लिए, रजत कभी-कभी ऊंची आवाज में बोलता था और विक्रांत के बारे में अनुचित शब्दों का प्रयोग करता था, जो मुझे बिल्कुल पसंद नहीं आया। अगर किसी को कोई समस्या है, तो उसे सीधे तौर पर संबोधित करना बेहतर है। इससे उसके असली चरित्र का पता चलता है।''

संपादकीय

केजरीवाल संबंधी निर्णय : संकेत, सन्देश और सियासत

दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने पिछले दिनों विवादित दिल्ली आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया। अदालत ने सीबीआई द्वारा अदालत में पेश किये गये सबूतों को कमज़ोर और अपर्याप्त बताया और कहा कि आरोपियों की कोई आपराधिक साज़िश या इरादा साबित नहीं हुआ। अदालत ने कहा कि केवल दावे पर्याप्त नहीं होते बल्कि ठोस सबूत होने भी ज़रूरी हैं। अदालत ने कहा कि चार्जशीट में ख़ामियां हैं और कोई साक्ष्य भी नहीं मिला। इस अदालती फ़ैसले के बाद राजनैतिक हल्क़ों में हलचल तेज़ हो गयी है। ग़ौरतलब है कि दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने नवंबर 2021 में नई आबकारी नीति लागू की थी। इस नीति का उद्देश्य शराब की बिक्री का निजीकरण कर ग्राहक सुविधा बढ़ाना और शराब की काला बाज़ारी रोकना बताया गया था। परन्तु जुलाई 2022 में मुख्य सचिव की रिपोर्ट में प्रक्रियागत ख़ामियां , मनमाने फ़ैसले और 500 करोड़ से अधिक का नुक़्सान बताते हुए दिल्ली के तत्कालीन एल जी, वी के सक्सेना ने सीबीआई जांच की सिफ़ारिश की। उस समय केंद्र सरकार की अधीनस्थ संस्थाओं सीबीआई और ईडी द्वारा यह आरोप लगाया गया कि दिल्ली सरकार के तत्कालीन आबकारी मंत्री मनीष सिसोदिया द्वारा इस नयी आबकारी नीति को निजी शराब कंपनियों को फ़ायदा पहुंचाने के लिए तैयार किया गया था। जिसमें 100 करोड़ के कैशबैक आम आदमी पार्टी के कई नेताओं को मिले। तत्कालीन मुख्य मंत्री अरविन्द केजरीवाल को इस पूरे मामले का मुख्य साज़िशकर्ता बताया गया। इसके बाद जुलाई 2022 में एलजी की सिफ़ारिश से ही अगस्त में सीबीआई व ईडी द्वारा केस रजिस्टर्ड किया गया तथा सितंबर में नयी आबकारी नीति रद्द कर दी गयी । इसी के बाद फ़रवरी 2023 में मनीष सिसोदिया को और मार्च 2024 में केजरीवाल को गिरफ़्तार कर लिया गया। अब जहाँ संबंधित अदालत द्वारा केजरीवाल व सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया गया हैं वहीं ख़बर यह भी है कि निचली अदालत के इस फ़ैसले को चुनौती देने हेतु सी बी आई संभवतः हाई कोर्ट का रुख़ कर सकती है। बहरहाल इस अदालती फ़ैसले के बाद विपक्ष एक बार फिर केंद्र सरकार पर हमलावर है। क्योंकि मोदी सरकार के दौरान ही अरविंद केजरीवाल के अलावा और भी कई विपक्षी दलों के मुख्यमंत्रियों और नेताओं पर ईडी, सीबीआई जैसी एजेंसियों ने कार्रवाई करने की कोशिश की। इनमें गिरफ़्तारियां भी हुईं, परन्तु अधिकांश मामलों में या तो ज़मानत मिली या मामले डिस्चार्ज हुये या फिर उन्हें अदालत से राहत मिली। उदाहरण स्वरूप झारखंड के मुख्यमंत्री पद पर आसीन हेमंत सोरेन को 2024 में ईडी द्वारा लैंड स्कैम और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे मामलों में गिरफ़्तार किया गया। उन्हें सीएम पद से इस्तीफ़ा देकर जेल जाना पड़ा। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने 2026 में ईडी की कार्यवाही पर स्टे लगा दिया और वे रिहा होने के बाद पुनः मुख्यमंत्री बने। इसी तरह कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के विरुद्ध ईडी ने MUDA स्कैम में हाईकोर्ट ने जांच की मंज़ूरी तो दे दी परन्तु लोकायुक्त ने उन्हें क्लीन चिट दे दी। यूँही कभी केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को ईडी द्वारा 466 करोड़ रूपये का FEMA नोटिस जारी किया गया व कई कारण बताओ नोटिस जारी किये गये। परन्तु अभी तक कोई गिरफ़्तारी नहीं हो सकी। इसी तरह तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव,डी शिवकुमार,पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी जैसे और भी कई नेताओं से ई डी व सी बी आई पूछताछ कर चुकी है। पिछले दिनों हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को भी पंचकूला के एजेएल ज़मीन आवंटन मामले में पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने सीबीआई की विशेष अदालत द्वारा हुड्डा के ख़िलाफ़ आरोप तय किए जाने के आदेश को रद्द कर दिया है और उन्हें "क्लीन चिट" दे दी। इसके आधार पर आरोप तय करने के सीबीआई कोर्ट के आदेश को ख़ारिज कर दिया गया। परन्तु केंद्र सरकार के अधीनस्थ कार्यरत ईडी, सी बी आई या आयकर जैसे विभाग विपक्षी नेताओं पर कोई न कोई आरोप मढ़कर उन्हें न केवल परेशानियों में डाल देते हैं बल्कि इस तरह के आरोपों से उनके राजनैतिक चरित्र को भी दाग़दार बनाने की पूरी कोशिश करते हैं। और सही मायने में जो वास्तव में भ्रष्ट होते हैं वे तो आनन् फ़ानन में दल बदल कर भजपाई वाशिंग मशीन से गुज़रकर चरित्रवान होने का प्रमाण पत्र हासिल कर लेते हैं। और भय वश उपजी इस प्रीत के बदले में उन्हें कहीं मुख्य मंत्री तो कहीं उपमुख्यमंत्री,मंत्री,सांसद या अन्य उच्च पदों पर सुशोभित कर दिया जाता है। आंकड़े यूँही नहीं बताते कि ईडी ने 2014 से लेकर अब तक क़रीब 121 प्रमुख नेताओं पर मामले रजिस्टर्ड किये इन में 95% विपक्षी नेता थे। और 2015 से 2025 तक ईडी द्वारा दर्ज 193 मामलों में केवल 2 ही दोष सिद्धियां हुईं। शेष अधिकांश मामलों में या तो अदालत ने आरोपियों को राहत दी या फिर सुबूतों के अभाव में मामले कमज़ोर पड़ गये। जहाँ तक केजरीवाल संबंधी अदालती निर्णय के बाद उपजी सियासत का सवाल है तो जहां अदालती फ़ैसला आते ही विपक्ष एकजुट होकर केजरीवाल के साथ खड़ा नज़र आ रहा था वहीँ केजरीवाल का बिलख बिलख कर रोते हुये मीडिया के सामने पेश होकर अपनी बेगुनाही का सुबूत देना चाह रहे थे। और हद तो तब हो गयी जबकि उसी दिन बुलाई गयी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में वे उन्हें जेल भेजने वाली भाजपा से भी ज्यादा कांग्रेस पर ही निशाना साधते नज़र आये।

नज़रिया

शांति और विकास को खतरा

धर्मपाल धनखड़

रूस यूक्रेन युद्ध, अमरीकी सेना द्वारा वेनजुएला के राष्ट्रपति मादुरो का अपहरण करके ले जाना और अब अमरीका और इस्राइल के संयुक्त हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खमेनेई का वरिष्ठ सेनाध्यक्षों, राजनीतिक सलाहकारों तथा परिवार के सदस्यों के साथ मारे जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'जिसकी लाठी, उसकी भैंस' जैसे हालात हो गये हैं। यानी द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विश्व में शांति स्थापना के लिए बने संयुक्त राष्ट्र संघ और विशेषकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद निष्क्रिय और विफल साबित हो रही हैं। आज जब दुनिया के सभी देश विकास के लिए शांति चाहते हैं, ऐसे में बातचीत के दरवाजे बंद करके सीधे टकराव का रास्ता अपनाना वैश्विक अशांति का संदेश है। इससे पहले अमरीकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप अन्य देशों पर मनमाना टैरिफ ठोककर विश्व व्यापार व्यवस्था को अपने हिसाब से बनाने की कोशिश में काफी उथल-पुथल मचा चुके हैं। अब जिनेवा में ईरानी प्रतिनिधियों के साथ चल रही शांति वार्ता के बीच इस्राइल से मिलकर हमला करना, उसकी कूटनीतिक विफलता है।

संयुक्त सैन्य हमले में खमेनेई की मौत को भले अमरीका अपनी सफलता मानकर खुश हो ले। लेकिन अपने सर्वोच्च नेता को खोने के बाद ईरान की भयानक बदले की चेतावनी देने से ये तय माना जा रहा है कि 'शांति' स्थापना दूर की बात है। अमरीका जहां पहले ईरान पर हमलों का मकसद उसे परमाणु शक्ति हासिल करने से रोकना बता रहा था, वो अब ईरान में शासन व्यवस्था बदलना बताने लगे हैं। ट्रंप ने ईरान की जनता को एक वीडियो संदेश जारी करके उन्हें तानशाह सरकार से मुक्ति दिलाने की बात कही है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति को जबरन अमरीका ले जाकर जिस तरह से अपना अप्रत्यक्ष शासन स्थापित किया है। इससे पहले इराक पर हमले को भी क्षेत्र में शांति स्थापना की कोशिश बताया था। इन दोनों देशों के तेल भंडारों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों पर अमरीका ने कब्जा कर लिया। इसी तरह ईरान में कठपुतली सरकार के जरिए तेल भंडारों पर कब्जे की मंशा स्पष्ट है। आठ युद्ध रुकवाकर हजारों लोगों की जान बचाने का दावा करके खुद को शांतिदूत बताने वाले ट्रंप का मकसद शांति स्थापित करना कतई नहीं है। यदि ऐसा होता तो वे बातचीत का रास्ता छोड़कर, सीधे टकराव का रास्ता नहीं अपनाते। अमरीका और इस्राइल के हमलों में भारी तबाही हुई है। ईरानी मीडिया के मुताबिक हमले में 57 स्कूली छात्राओं के मारे जाने के साथ बड़ी संख्या में नागरिक घायल हुए हैं।

अमरीका का दूसरे देशों में हमला कर सत्ता परिवर्तन करवाने का लंबा इतिहास रहा है। हथियारों का खतरा बताकर अमरीका ने जिन देशों पर हमले किये, बाद में वहां कोई विध्वंशक हथियार नहीं मिले। अफगानिस्तान में तो तालिबान के शासन को खत्म करने के नाम पर अमरीका मैदान में उतरा था। लंबे संघर्ष के बाद अफगानिस्तान को तालिबान के हवाले करके उसे वापस हटना पड़ा था। अब तालिबान और पाकिस्तान के बीच खुला संघर्ष चल रहा है। इससे साफ है कि अमरीका शांति स्थापना के नाम पर अपने दूसरे मकसद पूरे करता है। ईरान पर हमले के पीछे भी उसका मकसद चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकना तथा इस्राइल की सीमाएं सुरक्षित करना है। ट्रंप टैरिफ के बाद अब ईरान पर हमले से विश्व अर्थव्यवस्था को भारी नुक़सान होगा। तेल सप्लाई बाधित होगी तथा महगांई बढ़ेगी। भारतीय निर्यातकों काफी माल बीच रास्ते में फंसा है। इससे काफी नुकसान होगा। ऐसे में भारत को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय संबंधों को लेकर अपनी विदेश नीति पर नये सिरे से विचार करना करना होगा। विपक्षी दल भारत सरकार पर पहले ही विदेश नीति के मोर्चे पर विफल होने के आरोप लगा रहे हैं। लेकिन आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति से अलग हटकर देखें तो सरकार को अंतरराष्ट्रीय संबंधों और व्यापार समझौतों को लेकर काफी एतिहात बरतने होंगे।

गधे पर बैठकर होली खेलने की अनूठी परम्परा!

डा. गोपाल नारसन एडवोकेट

होली के लिए कहा जाता है कि जब मौसम में बासंती ब्यार बहने लगे और लोगो में मस्ती का भाव कुलमुलाने लगे और प्रकृति अपना आवरण बदलने लगे तो समझो फाल्गुन आ गया यानि होली ने आपके द्वार पर दस्तक दे दी है। होली एक ऐसा पर्व है जो स्वयं ही लोगो के दिलो में उमंगता लाकर उन्हे अपने रगं में रगंने लगती है। प्रकृति का यही उल्लास लोगो के मन में एक नई उमंग,एक नई खुशी,एक नई स्फूर्ति को जन्म देकर उनके मन को आल्हादित करता है। प्रकृति की इस अनूठी छटा व मादकता के उत्सव को होलिकोत्सव के रूप में मनाए जाने की परम्परा सदियों से चली आ रही है। जिस पर हम सब रंगो से सराबोर हो जाते है। होली के इस पर्व को यौवनोत्सव,मदनोत्सव,बसंतोत्सव ,दोलयात्रा व शिमागा के रूप में मनाये जाने की परम्परा है। फाल्गुन मास के अन्तिम दिन मनाए जाने वाले रंगो के इस पर्व होलिकोत्सव को लेकर यूं तो विभिन्न कथाए प्रचलित है।लेकिन इस पर्व की वास्तविक शुरूआत प्रकृति परिवर्तन से ही होती है। प्रकृति अपना आवरण बदलती है। पेड पोधे अपने पुराने पत्तो को त्यागकर ,पेड का तना अपने बक्कल को छोडकर नये पत्तो व नये स्वरूप में परिवर्तित होते है। इसी प्रकार मनुष्य के शरीर की खाल तक धीरे धीरे बदल जाती है। पांच तत्वों से बना हमारा शरीर भी चूंकि प्रकृति का अंग है इसकारण वह भी मन और शरीर दोनो तरह से अपने आपमें परिवर्तन का अनुभव करता है। यही अनुभव हम होली के रूप में तहसूस करते है।

होली अर्थात पवित्रता का पर्व होली शब्द को यदि अंग्रेजी भाषा रूप में देखे तो इसका अर्थ पवित्र है। यानि होली को पवित्रता का त्यौहार भी माना जाता है। जिसमें सब आपसी ईष्या व द्वेष मिटाकर पवित्र मन से नई फसल आने की खुशी होली रूप में मनाते है। यदि यह पर्व पवित्र है,तो फिर इस पवित्र और पावन पर्व पर हुडदंग कैसा ?यह पर्व प्रकृति के नवपरिवर्तन से जुडा है। प्रकृति जब अपना आवरण बदलने लगती है मौसम में बासंती ब्यार बहने लगती और लोगो में प्यार और मोहब्बत का भाव जगाने लगती है तो समझो फाल्गुन का मौसम आ गया और होली अर्थात पवित्रता के रंग में रंगने का अवसर भी आ गया। होली लोगो के दिलो पर दस्तक देकर उन्हे अपने रगं में रगंने लगती है। प्रकृति का यही उल्लास लोगो के मन में एक नई उमंग,एक नई खुशी,एक नई स्फूर्ति को जन्म देकर उनके मन को आल्हादित करती है। प्रकृति की इस अनूठी छटा व मादकता के उत्सव को होलिकोत्सव के रूप में मनाए जाने की परम्परा सदियों से चली आ रही है।

होली की मशहूर कथाएं

धार्मिक पुस्तको व शास्त्रों में होली को लेकर विभिन्न दन्त कथायें प्रचलित है। इन कथाओं के अनुसार नारद पुराण में यह पर्व हिरण्यकश्यप की बहन होलिका के अन्त व भक्त प्रहलाद की ईश्वर के प्रति आस्था के प्रति विजय का प्रतीक है। प्रचलित कथा के अनुसार हिरण्य कश्यपको जब उनके पुत्र प्रहलाद ने भगवान मानने से इंकार कर दिया तो अहंकारी शासक हिरण्य कश्यप ने अपने पुत्र प्रहलाद की हत्या के लिए उसे आग में न जलने का वरदान प्राप्त होलिका की गोद में जलती चिता में बैठा दिया किन्तु होलिका का आग में न जलने का वरदान काम नही आया और वह आग में जलकर भस्म हो गई। जबकि प्रहलाद सकुशल बच गया। तभी से होलिकोत्सव पर होली दहन की परम्परा की शुरूआत हुई। होली के पर्व को मुगल शासक भी शान से मनाया करते थे। मुगल बादशाह अकबर अपनी महारानी जोधाबाई के साथ जमकर होली खेलते थे। बादशाह जहांगीर ने भी पत्नी नूरजहां के साथ रंगो की होली खेली। इसी तरह बादशाह औरंगजेब ,उनके पुत्र शाह आलम और पोत्र जहांदर शाह ने भी होली का त्योहार रंगो के साथ मस्ती के आलम में मनाया जिसका उल्लेख इतिहास में पढने को मिलता है। जिससे स्पष्ट है कि हिन्दू ही नही मुस्लमान भी होली का पर्व मनाते रहे है। पिरान कलियर के वार्षिक उर्स में विदेशों से आने वाले जायरीन हर साल फूलो की होली खेलते है, जिसमें हिन्दू और मुस्लमान दोनो शामिल होते है। राजस्थान के सांभर की होली राजस्थान में सांभर की होली का अपना महत्व है। सांभर की होलीमनाने के लिए आदिवासी समाज की लडकियां वस्त्रो की जगह अपने शरीर को टेसू की फूल मालाओं से ढककर अपने प्रेमियों के साथ नदी किनारे जाकर सर्प नृत्य करती है। इस सर्प नृत्य के बाद इन लडकियो की शादी उनके प्रेमियों के साथ कर दी जाती है। राजस्थान में ही हाडोती की कोडामार होली जिसमें देवर भाभी व जीजा शाली एक दुसरे को कोडे मार कर होली के रगं में रंग जाते है। इसी राजस्थान में होली पर अकबर बीरबल की शोभा यात्रा निकालकर होली का रगं व गुलाल खेला जाता है। राजस्थान के बाडमेंर में तो होली की मस्ती के लिए जीवित व्यक्तियों की शवयात्रा बैण्डबाजे के साथ निकालने की परम्परा है। वही राजस्थान के जालोर क्षेत्र में होली पर लूर नृत्य किया जाता है तो झालावाड क्षेत्र में गधे पर बैठकर होली की मस्ती में झूमने की परम्परा है। बीहड क्षेत्र में तो पुरूष धाधरा चोली पहन कर ढोल नंगाडे बजाते हुए होली का नृत्य करते है तथा होली का गायन करते है। मथुरा की लठठमार होली बीकानेर की डोलचीमार होली की कहानी भी गजब है। लठठमार होली मथुरा के बरसाने में खेली जाती है। जिसमें महिलाए पुरूषो पर लठठ से प्रहार करती है और पुरूष ढाल का उपयोग कर अपना बचाव करते है।इस लठठमार होली को देखने के लिए देश विदेश से बडी सख्या में श्रद्धालु मथुरा आते है। भले ही इस होली को लठठमार होली के रूप में मनाया जाता हो परन्तु किसी के भी मन में होली खेलते समय कोई बैर भाव नही होता सभी प्यार और माहब्बत को नया जन्म देने के लिए यह होली खेलते है।

पंजाब के होला मोहल्ला की शान ही निराली है। होला मोहल्ला की तैयारी काफी पहले से शुरू हो जाती है। जिसमें शामिल होने के लिए लोग दूर दूर से पंजाब पहुंचते है और होला मोहल्ला की मस्ती में खोये रहते है। होला मोहल्ला रूप में होली का पर्व मनाने का मकसद भी नई फसल की खुशी मनाना ही है। इसी तरह, कांगडा की भक्ति रस में डूबी होली की अपनी ही शान है। यानि चहुं और मस्ती के इस पर्व को नई फसल आने की खुशी के रूप में ही जगह जगह मनाया जाता है।

विकारमुक्ति का पर्व है होली

कुछ लोगो ने होली की मस्ती के नाम पर इस पवित्र व पावन पर्व को अपवित्र भी कर दिया है। होली पर खुशी कायम करने के लिए आपसी प्रेम,मोहब्बत,भाईचारे की नई शुरूआत के लिए रूठो को मनाने के लिए और विकारों को छोडकर अच्छे गुण धारण करने के संकल्प लेने के बजाए कुछ लोग होली पर शराब पीने,जुआ खेलने,दुसरों पर कीचड डालने को ही होली समझ बैठते है जबकि यह पर्व इन दुगुर्णो को त्यागने का सबसे अच्छा अवसर है। नई फसल ,नई प्रकृति आवरण और शरीर में नया खून बनने और त्वचा आवरण बदलने का स्वागत हमे प्राकृतिक रंगो ,फूलो और मिठास से करना चाहिए। होली जलाने का तात्पर्य भी यही है कि हम अपने विकारो को होलिका में जलाकर पवित्र और पावन बनने का संकल्प ले तभी होली पर्व को सार्थक किया जा सकता है और तभी होली का भरपूर आनन्द भी ले सकते है।

अमेरिका-इजराइल ईरान युद्ध और अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत से पश्चिम एशिया में भूचाल

कांतिलाल मांडोत

पश्चिम एशिया में तनाव अपने चरम पर पहुंच गया जब अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की खबर सामने आई। बताया गया कि अमेरिका और इजराइल ने संयुक्त सैन्य कार्रवाई में ईरान पर 24 घंटे के भीतर 1200 से अधिक बम गिराए। इन हमलों में खामेनेई के साथ उनके परिवार के कई सदस्य और शीर्ष सैन्य कमांडर भी मारे गए। यह घटनाक्रम न केवल ईरान बल्कि पूरे मध्य पूर्व के लिए निर्णायक मोड़ माना जा रहा है। ईरान ने इसे सीधी जंग करार देते हुए खतरनाक बदले की चेतावनी दी है। हमलों का केंद्र ईरान की राजधानी तेहरान समेत दस बड़े शहर रहे। ईरानी मीडिया के अनुसार अब तक दो सौ से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और सैकड़ों घायल हैं। एक स्कूल पर हमले में बड़ी संख्या में छात्राओं के मारे जाने की खबर ने दुनिया को झकझोर दिया। ईरान ने चालीस दिन के राजकीय शोक और सात दिन की सार्वजनिक छुट्टी की घोषणा की है। देशभर में शोक सभाएं और विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा किया कि यह कार्रवाई ईरान की सैन्य क्षमताओं को खत्म करने और क्षेत्र में स्थिरता बहाल करने के लिए की गई। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी बयान जारी कर कहा कि हमले का उद्देश्य अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। ट्रम्प ने ईरानी सैनिकों से आत्मसमर्पण की अपील की और कहा कि बमबारी जरूरत पड़ने तक जारी रहेगी। इन बयानों ने हालात को और अधिक गंभीर बना दिया। ईरान ने जवाबी कार्रवाई में इजराइल पर सैकड़ों मिसाइल और ड्रोन दागे। खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी ठिकानों को भी निशाना बनाया गया। संयुक्त अरब अमीरात के दुबई और अबू धाबी में एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय हो गए। सऊदी अरब की राजधानी रियाद और कतर की राजधानी दोहा में भी सतर्कता बढ़ा दी गई। बहरीन कुवैत जॉर्डन और इराक में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों पर हमले की खबरें आईं। ओमान तट के पास एक तेल टैंकर पर भी हमला हुआ जिससे वैश्विक तेल बाजार में अस्थिरता बढ़ गई।

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने ऑपरेशन टू प्रॉमिस चार की घोषणा की और कहा कि यह बदले की शुरुआत है। संसद अध्यक्ष और अन्य नेताओं ने इसे मुसलमानों के खिलाफ खुली जंग बताया। ईरान के राष्ट्रपति ने कहा कि खामेनेई की हत्या का जवाब देना देश का अधिकार और जिम्मेदारी दोनों है। इस बयान के बाद देश में राष्ट्रवादी भावना तेज हो गई है। अयातुल्ला अली खामेनेई का जीवन ईरान की आधुनिक राजनीति से गहराई से जुड़ा रहा। उनका जन्म उन्नीस अप्रैल उन्नीस सौ उनतालीस को मशहद में हुआ था। वे उन्नीस सौ इक्यासी में राष्ट्रपति बने और उन्नीस सौ नवासी में रूहोल्लाह खोमैनी के निधन के बाद देश के सर्वोच्च नेता नियुक्त हुए। पिछले सैंतीस वर्षों से वे ईरान की सत्ता के सबसे प्रभावशाली केंद्र रहे। समर्थक उन्हें इस्लामी व्यवस्था का रक्षक मानते थे जबकि आलोचक उन पर कठोर नीतियों का आरोप लगाते थे। इस युद्ध के पीछे कई गहरे कारण बताए जा रहे हैं। पहला मुद्दा ईरान का परमाणु कार्यक्रम है। अमेरिका और इजराइल को आशंका रही है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित कर सकता है जबकि ईरान का कहना है कि उसका कार्यक्रम शांतिपूर्ण ऊर्जा और शोध के लिए है। दूसरा मुद्दा बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम है जिसे ईरान अपनी सुरक्षा की रेड लाइन मानता है। तीसरा बड़ा कारण इजराइल और ईरान के बीच वैचारिक और रणनीतिक टकराव है। अमेरिका इजराइल का प्रमुख सहयोगी है जबकि ईरान खुले तौर पर इजराइल का विरोध करता रहा है। मध्य पूर्व में प्रभाव को लेकर भी प्रतिस्पर्धा रही है। अमेरिका का आरोप है कि ईरान इराक सीरिया लेबनान और यमन में अपने समर्थक गुटों को सहायता देकर क्षेत्रीय संतुलन बिगाड़ता है। ईरान इसे अपने हितों की रक्षा बताता है। आर्थिक प्रतिबंधों ने भी तनाव को बढ़ाया है। अमेरिका द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंधों से ईरानी अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई और जवाब में ईरान ने कई बार परमाणु गतिविधियां तेज कीं। इस संघर्ष के अंतरराष्ट्रीय आयाम भी तेजी से उभर रहे हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने खामेनेई की हत्या की निंदा की और इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया। जी सात देशों में भी आपात चर्चा की तैयारी है। संयुक्त राष्ट्र में आपात बैठक की संभावना जताई जा रही है। वैश्विक बाजारों में तेल की कीमतों में उछाल देखा गया और शेयर बाजारों में गिरावट आई। इजराइल में नागरिक बंकरों में शरण लिए हुए हैं और लगातार सायरन बज रहे हैं। तेहरान में इंटरनेट ब्लैकआउट और विस्फोटों की खबरें सामने आई हैं। दोनों पक्षों ने हजारों ठिकानों को निशाना बनाने की चेतावनी दी है जिससे लंबी और व्यापक जंग की आशंका बढ़ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह टकराव नहीं रुका तो यह पूरे पश्चिम एशिया को अपनी चपेट में ले सकता है। खाड़ी क्षेत्र में ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित होने से विश्व अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ सकता है। साथ ही क्षेत्रीय शक्तियों की सीधी भागीदारी से संघर्ष और जटिल हो सकता है।

आज का राशिफल

मेष- व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-2-4-6

वृष- कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन- यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा शुभ रहेगी। काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क - आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। पारिवारिक विवाद टालें। अच्छे समय का इन्तजार करें। शुभांक-1-5-6

सिंह- लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय व प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

कन्या- कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। शुभांक-3-4-7

तुला- समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी इक्षचता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक- व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, इक्षचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। कर्ज लेने से बचें। शुभांक-3-5-7

धनु- यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-2-4-6

मकर- मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-1-5-8

कुम्भ- कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-7

मीन- परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरुनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

पूजा का गुलाल किस धातु के बर्तन में रखने से दूर हो सकती हैं परेशानियां?

हिंदू धर्म में होली के दिन अबीर यानी कि गुलाल का विशेष महत्व है। अब ऐसे में पूजा का गुलाल किस धातु के बर्तन में रखना चाहिए। जिससे शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है।

हिंदू धर्म में होली के दिन पूजा के गुलाल का विशेष महत्व है। यह न केवल रंगों का त्योहार है, बल्कि बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक भी है। इस दिन लोग एक-दूसरे को रंग लगाकर और गुलाल लगाकर खुशियां मनाते हैं। होली के दिन, भक्त अपने इष्ट देवताओं को रंग और गुलाल अर्पित करते हैं। यह माना जाता है कि ऐसा करने से देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है और घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। राधा-कृष्ण की पूजा का इस दिन विशेष महत्व है।

भक्त उन्हें रंग-बिरंगे गुलाल से सजाते हैं और उनकी आराधना करते हैं। अब ऐसे में कई लोग भगवान को पूजा करने के दौरान सीधे गुलाल के पैकेट से ही रंग चढ़ा देते हैं, लेकिन इसे शुभ नहीं माना जाता है। आइए इस लेख में विस्तार से जानते हैं कि पूजा का गुलाल किस धातु के बर्तन में रखना शुभ माना जाता है?

पूजा के गुलाल को तांबे या पीतल के बर्तन में रखना सबसे शुभ माना जाता है। ये दोनों धातुएं शुद्ध और पवित्र मानी जाती हैं, और इनका उपयोग अक्सर पूजा-पाठ में किया जाता है। तांबा एक शुद्ध धातु है, और यह माना जाता है कि इसमें सकारात्मक ऊर्जा होती है। तांबे के बर्तन का उपयोग अक्सर धार्मिक अनुष्ठानों में किया जाता है, क्योंकि इसे पवित्र माना जाता है।

पूजा का गुलाल भगवान को कैसे चढ़ाएं?

भगवान कृष्ण और विष्णु जी को पीला गुलाल चढ़ाना शुभ माना जाता है। आप चाहें तो उन्हें पीले रंग के फूल भी अर्पित कर सकते हैं। भगवान गणेश को लाल रंग का गुलाल चढ़ाना चाहिए। आप उन्हें लाल सिंदूर भी अर्पित कर सकते हैं। भगवान शिव को सफेद या नीला गुलाल चढ़ाना चाहिए। आप उन्हें बेलपत्र और धतूरा भी अर्पित कर सकते हैं।

देवी दुर्गा को लाल या गुलाबी गुलाल चढ़ाना चाहिए। आप उन्हें लाल चुनरी और फूल भी अर्पित कर सकते हैं। भगवान को गुलाल चढ़ाने के लिए, सबसे पहले उन्हें स्नान कराएं और नए वस्त्र पहनाएं। फिर, एक थाली में गुलाल और फूल रखें। भगवान की आरती करें और उन्हें गुलाल अर्पित करें। आप चाहें तो उन्हें मिठाई और फल भी अर्पित कर सकते हैं।

रसभरे रंगों और उमंग का पर्व है होली

होली रंगों का त्योहार है, रसभरे रंगों और उमंग भरे गीतों का पर्व है. यह फसल तैयार होने के बाद मस्ती की धुन में झूमते किसानों का उत्सव है, लोक आस्थाओं और सनातन परंपराओं का आयोजन है. कोई नहीं जो इसके रंग में रंगे बिना दामन बचाकर निकल जाए.

भारतीय संस्कृति में प्रत्येक पर्व उत्सव के साथ-साथ आध्यात्मिक संदेश और जीवन दर्शन का प्रतीक होता है। उन्हीं पावन पर्वों में से एक है होली। जो रंगों, उल्लास और भक्ति का अद्भुत संगम माना गया है। फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह पर्व केवल बाहरी रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि अंतर्मन को प्रेम, करुणा और सद्भाव से रंगने का अवसर है। इस साल 3 मार्च को चंद्रग्रहण लगने जा रहा है। इसलिए सबसे बड़ा सवाल यह है कि रंग कब खेला जाएगा? ज्योतिष के अनुसार चंद्रग्रहण लगने के नौ घंटे पहले से सूतक काल प्रारंभ हो जाता है। सूतक काल में किसी भी तरह के धार्मिक उत्सव मनाने से परहेज किया जाता है। ऐसे में होली 4 मार्च 2026 को मनाया जाएगा। अगर शास्त्र सम्मत विधि की बात की जाए तो ग्रहण के समापन के उपरांत रंग खेल सकते हैं। इसलिए धुलंडी 4 मार्च को ही खेली जाएगी।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार होलिका दहन सूर्यास्त के बाद, यानी प्रदोष काल में करना शुभ माना जाता है। उस समय पूर्णिमा तिथि होनी चाहिए और भद्रा समाप्त हो चुकी हो। द्रिक पंचांग के अनुसार पूर्णिमा के शुरुआती समय में भद्रा का प्रभाव रहता है। भद्रा काल में कोई भी शुभ कार्य नहीं किया जाता। इसलिए होलिका दहन हमेशा भद्रा खत्म होने के बाद ही करना चाहिए, तभी इसका पूरा शुभ फल प्राप्त होता है।

चंद्रग्रहण का समय

पंचांग के अनुसार इस बार होली के साथ ही चंद्रग्रहण भी लगने जा रहा है, जो भारत में दृश्यमान रहेगा। इसलिए सम्पूर्ण भारत में ग्रहण का सूतककाल भी लागू रहेगा। भारतीय समयानुसार, चंद्रग्रहण 3 मार्च को दोपहर में 3 बजकर 20 मिनट से प्रारंभ हो जाएगा। जिसका समापन शाम 6 बजकर 47 मिनट पर होगा। अगर कुल अवधि की बात की जाए तो इस बार का चंद्रग्रहण 3 घंटे 27 मिनट तक दिखेगा।

प्रह्लाद की अटूट भक्ति

होली का मूल संबंध भक्त प्रह्लाद और उनके पिता हिरण्यकशिपु की कथा से जुड़ा है। हिरण्यकशिपु असुरराज था, जिसने अपने अहंकार में स्वयं को ईश्वर घोषित कर दिया था। किंतु उसका पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का अनन्य भक्त था। अनेक यातनाएँ देने के बावजूद प्रह्लाद की भक्ति अडिग रही। अंततः हिरण्यकशिपु की बहन होलिका, जिसे अग्नि से न जलने का वरदान प्राप्त था, प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि में बैठ गई। किन्तु दैवीय न्याय देखिए, होलिका जलकर भस्म हो गई और प्रह्लाद सुरक्षित रहे। इसी स्मृति में होलिका दहन किया जाता है। यह दहन केवल लकड़ियों, गोबर के उपलों और बल्लों का नहीं, बल्कि अहंकार, क्रोध, ईर्ष्या और पाप प्रवृत्तियों का होता है।

रंगों की होली

होलिका दहन के दूसरे दिन रंगों की होली खेली जाती है। यह दिन सामाजिक समरसता और आपसी प्रेम का प्रतीक है। छोटे-बड़े, अमीर-गरीब, जाति-पंथ के भेद मिटाकर सभी एक-दूसरे को रंग लगाते हैं। सनातन परंपरा में ब्रजभूमि में इस त्यौहार का विशेष महत्व है। वृंदावन और बरसाना की लठमार होली विश्व प्रसिद्ध है। इस त्यौहार राधा-कृष्ण की दिव्य लीलाओं की स्मृति है, जो ब्रज जी गलियों सहित पूरे भारत में आज भी जीवंत है। होली रंगों के पर्व के साथ पकवानों और मिठाई का भी त्यौहार है। इस पर्व में हर घर में तरह-तरह की मिठाइयां और पकवान बनाए जाते हैं। आइए जानते हैं इस त्यौहार पर बनाएं जाने वाले कुछ खास पकवानों के बारे में-

गुझिया: गुझिया एक खास पकवान है, जिसके बिना इस त्यौहार का पर्व अधूरा सा रहता है। यह पकवान भारतवर्ष के लगभग हर घर में बनाया जाता है और लोग होली के रंगों के साथ गुझिया खाना व खिलाना खूब पसंद करते हैं।

दही बड़े: दही बड़े भी इस त्यौहार का एक खास पकवान है जिसके बिना होली अधूरी सी लगती है। इस त्यौहार पर यह पकवान खास तौर पर ब्रज के घरों में अवश्य बनाया जाता है।

गुलाब जामुन: गुलाब जामुन एक प्रसिद्ध भारतीय मिठाई है, जिसके बिना उत्सव का रंग ही फीका पड़ जाता है, इसलिए हर घर में इस त्यौहार के उत्सव में इस मिठाई को जरूर शामिल किया जाता है। घर वाले खुद भी इस मिठाई को बड़े चाव के साथ खाते हैं और होली मिलन के लिए आए मेहमानों को भी गुलाब जामुन जरूर खिलाते हैं।

इन मिठाई और पकवानों के अलावा घरों में गाठिये, नमकीन पूड़ियां और मालपुए भी इस त्यौहार का जायका बढ़ाते हैं।

इस दिन खेली जाएगी रंगों की होली

होलिका दहन की तिथि पर लोगों में भ्रम की स्थिति है। 3 मार्च को साल का पहला चंद्र ग्रहण भी पड़ रहा है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष चतुर्दशी तिथि सोमवार 2 मार्च को सायं 5:57 बजे समाप्त होगी, इसके बाद पूर्णिमा तिथि का आरंभ प्रदोष काल में होगा। शास्त्रसम्मत निर्णय के अनुसार 2 मार्च को शाम 6:15 से रात 8:47 बजे तक प्रदोष काल में होलिका दहन करना शुभ और श्रेष्ठ रहेगा।

मथुरा

3 मार्च को पूर्णिमा तिथि प्रदोष काल से पूर्व ही समाप्त हो रही है। उस दिन चंद्रग्रहण भी निर्धारित है। 3 मार्च को चंद्रग्रहण का सूतक प्रातः 6:20 बजे से प्रारंभ होगा। ग्रहण का स्पर्श दोपहर 3:20 बजे, जबकि सायं 6:47 बजे मोक्ष होगा। सूतक काल में मंदिरों के पट बंद रहेंगे और पूजा-पाठ, मूर्ति स्पर्श, भोजन बनाना व ग्रहण करना वर्जित रहेगा। बालक, वृद्ध और रोगग्रस्त व्यक्तियों के लिए शास्त्रों में नियमों में शिथिलता का प्रावधान है। इसलिए रंगों से होली 4 मार्च को खेली जाएगी। ज्योतिषाचार्य ने बताया कि इस बार होली पर दुर्लभ खगोलीय संयोग देखने को मिलेगा। 2 मार्च की शाम 5:56 के उपरांत पूर्णिमा तिथि प्रारंभ हो रही है। 3 मार्च को चंद्र ग्रहण होगा। चंद्र ग्रहण के 9 घंटे पूर्व से सूतक प्रारंभ होते है। होलिका दहन पूर्णिमा तिथि में ही किया जाता है। सागर पंचांग के अनुसार 2 मार्च को ही होलिका दहन करना शुभ रहेगा।

4 को खेली जाएगी होली

ज्योतिषाचार्य अनीता पाराशर ने बताया कि होलिका दहन 2 मार्च सोमवार को शाम 6:22 बजे से रात 8:53 बजे तक शुभ मुहूर्त में किया जाएगा। 3 मार्च को चंद्रग्रहण और सूतक काल होने के कारण इस दिन होली खेलना संभव नहीं होगा। चंद्रग्रहण का सूतक काल 3 मार्च को प्रात 6:20 बजे से शाम 6:40 बजे तक रहेगा। ग्रहण और सूतक के कारण इस दिन होली खेलना वर्जित रहेगा

इसलिए 4 मार्च बुधवार को होली खेली जाएगी।

बहुसांस्कृतिक समाज के जीवंत रंगों का प्रतीक होली

होली पर्व भारत में धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाया जाने वाला प्राचीन पर्व है। होली पर्व हिन्दू पंचांग के अनुसार फाल्गुल महीने के शुक्ल पक्ष के अंतिम दिन पूर्णिमा को मनाया जाता है। होली पर्व भारत में परंपरागत रूप से 2 दिन मनाया जाता है। पहले दिन फाल्गुन मास की पूर्णिमा को पूजा की होली मनाई जाती है। इस दिन होलिकादहन होता है। इस दिन गोबर के उपलों या लकड़ियों से भारत में जगह-जगह होली रखी जाती है। सभी लोग प्राचीन परंपराओं के अनुसार होली को पूजते हैं और रात में होलिकादहन होता है। जलती हुई होली के चारों ओर लोग परिक्रमा करते हैं तथा अपने और अपनों के लिए मनौतियां मांगते हैं। उत्तर भारत में होलिकादहन के दिन जलती हुई होली में गेहूं की बाली को भूनकर खाने की परंपरा है।

होली के दूसरे दिन चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा को धुलेंडी यानी कि खेलने वाली होली मनाई जाती है। धुलेंडी के दिन लोग एक-दूसरे को सुबह उठकर गुलाल लगाने जाते हैं। इस दिन छोटे अपने बड़ों से गुलाल लगाकर आशीर्वाद लेते हैं। इस दिन लोग एक-दूसरे पर रंग, अबीर-गुलाल इत्यादि फेंकते हैं और पारंपरिक रूप से होली मनाते हैं। इस दिन घर-घर जाकर लोगों को रंग लगाया जाता है। धुलेंडी के दिन भारत देश के गली-मोहल्लों में ढोल बजाकर होली के गीत गाए जाते हैं और नाच-कूद किए जाते हैं। ऐसी मान्यता है कि होली के दिन लोग अपने गले-शिकवे और आपसी कटुता भूलकर एक-दूसरे से गले मिलते हैं और पुनः दोस्त बन जाते हैं। रंगों से होली खेलने और नाचने-गाने का दौर दोपहर तक चलता है। इसके बाद लोग नहा-धोकर थोड़ा विश्राम करने के पश्चात नए कपड़े पहनकर सांझ में एक-दूसरे के घर मिलने जाते हैं। लोग अपनी कटुता भुलाकर गले मिलते हैं और एक-दूसरे को होली पर पारंपरिक रूप से बनाई जाने वाली गुजिया और अन्य मिठाइयां खिलाते हैं। अगर ब्रज की बात की जाए तो ब्रज में होली पर्व की शुरुआत वसंत पंचमी के दिन से ही हो जाती है। वसंत पंचमी के दिन ब्रज के सभी मंदिरों और चौक-चौराहों पर होलिकादहन के स्थान पर होली का प्रतीक एक लकड़ी का टुकड़ा गाड़ दिया जाता है और लगातार 45 दिनों तक ब्रज के सभी प्राचीन मंदिरों में प्रतिदिन होली के प्राचीन गीत गए जाते हैं। ब्रज की महारानी राधाजी के गांव बरसाने में होली से 8 दिन पहले फाल्गुन महीने की शुक्ल पक्ष की अष्टमी के दिन लड्डूमार होली से इस प्राचीन पर्व की शुरुआत होती है। इसके बाद फाल्गुन महीने की शुक्ल पक्ष की नवमी के दिन से लठमार होली की शुरुआत होती है, जो कि होली का त्योहार खत्म होने तक लगातार चलती है।

पूरे विश्वभर में मशहूर बरसाना की लठमार होली में (हुरियारिनें) महिलाएं, पुरुषों (हुरियारों) के पीछे अपनी लाठी लेकर भागती हैं और लाठी से मारती हैं। हुरियारे खुद को ढाल से बचाते हैं। इस लठमार होली को दुनियाभर से लोग देखने को आते हैं। यह होली राधारानी के गांव बरसाने और श्रीकृष्णजी के गांव नंदगांव के लोगों के बीच में होती है। बरसाने और नंदगांव के बीच लठमार होली की परंपरा सदियों से चली आ रही है। होली पर्व पूरे देश में परंपरा, हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया जाने वाला त्योहार है। होली पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। होली पर्व हमारे देश में उपस्थित बहुसांस्कृतिक समाज के जीवंत रंगों का प्रतीक है। होली पर्व देश में हमारी संस्कृति और सभ्यता के मूल सहिष्णुता और सौहार्द की भावना को बढ़ावा देने वाला पर्व है। इस पर्व को सभी लोगों को शांति, सौहार्द और भाईचारे की भावना से मनाना चाहिए। देश के सभी नागरिकों को इस दिन सांप्रदायिक भावना से ऊपर उठकर अपने गले-शिकवे और कटुता का परित्याग कर बहुलवाद की भावना से अपने आपको रंगना चाहिए जिससे कि देश में शांति, सौहार्द, समृद्धि और खुशहाली कायम हो सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)